दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com
संरक्षकः मां वैष्णों देवी
* वर्षः 07 * अंक : 269 * मुंबई, गुरुवार, 3 अप्रैल 2025 * पेजः 6 * मूल्यः 2 रुपये * संपादकः सुनील कुमार तिवारी

लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश
वक्फ की संपत्तियां बेचने वालों को पकड़कर बाहर निकालेंगेः अमित शाह

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक २०२४ को लेकर सड़क से संसद तक घमासान के बीच बुधवार देर रात चर्चा हुई। और आज इस बिल को राज्यसभा में पेश किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिल लोकसभा में पेश किया। कहा, युपीए सरकार ने ५ मार्च २०१४ को १२३ प्राइम लोकेशन की प्रॉपर्टी को दिल्ली वक्फ बोर्ड को सौंप दी थी। कांग्रेस ने चुनावी फायदे के लिए किया था, लेकिन जनता ने उसे चुनाव हरा दिया। वहीं अखिलेश यादव ने कहा, सरकार नाकामी छिपाने लिए यह बिल ला रही है। उसे महाकुंभ में मारे गए लोगों की चिंता नहीं है। मुसलमानों का उद्देलित कर ध्रुवीकरण करना चाहते हैं। वक्फ संशोधन विधेयक २०२४ को लेकर यूपी बिहार सहित देशभर में अलर्ट जारी है। भोपाल में विरोध-प्रदर्शन हुआ तो कुछ मुस्लिम महिलाएं सड़क पर उतरकर इसका समर्थन करने लगीं। इसके समर्थन में मंदिर में सुंदरकांड का पाठ हुआ। कुछ अन्य मुस्लिम

नेताओं ने भी इसका समर्थन किया है। पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशभर में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

अमित शाह बोले-बदलाव स्वीकारना होगा

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, वक्फ (संशोधन) विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा गया था। जहां चर्चा के बाद इसे दोबारा संसद में पेश किया गया है। हमारे पास कांग्रेस जैसी समिति नहीं है। कांग्रेस के जमाने में जेपीसी ठप्पा लगाती थी। हमारी (**शेष पेज ०२ पर**)

मराठी भाषा विवाद पर बढ़ी सियासत, सीएम फडणवीस बोले- कानून हाथ में लेने पर होगी कार्रवाई

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के भाषण के बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने मराठी भाषा का अपमान करने वालों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है। मंगलवार को पवई में एक सुरक्षा गार्ड पर कथित हमले के बाद विवाद और बढ़ गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी के प्रचार-प्रसार के लिए आंदोलन करना गलत नहीं है, लेकिन कानून को अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। विवाद की जड़ में एक वायरल वीडियो है, जिसमें सुरक्षा गार्ड ने कथित रूप से मराठी भाषा का अपमान किया, जिसके बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने उसे पीट दिया। इससे पहले, आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी के बयान, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुंबई आने वालों को मराठी सीखने की जरूरत नहीं, पर भी विवाद खड़ा हो चुका है। बाद में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सफाई देते हुए कहा कि मराठी महाराष्ट्र की पहली भाषा है और इसे कोई बदल नहीं सकता। विवाद बढ़ने के बाद भैयाजी जोशी ने भी स्पष्टीकरण दिया कि मुंबई की भाषा मराठी ही है और इसे लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम से महाराष्ट्र में मराठी पहचान की राजनीति फिर गरमा गई है और आने वाले दिनों में यह मुद्दा और तूल पकड़ सकता है।

मुंबई। पर्यटन मंत्री शंभुराज देसाई ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें २ से ४ मई २०२५ तक आयोजित होने वाले 'महाबलेश्वर महापर्यटन महोत्सव २०२५' में शामिल होने का अनुरोध किया। राज्यपाल ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा कि वे ३ मई को महोत्सव में उपस्थित रहेंगे। यह महोत्सव महाबलेश्वर की पर्यटन संभावनाओं को बढ़ावा देने और राज्य के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर को उजागर करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

डीसीपी मनीष कलवानिया ने जब्त की गई 86.62 लाख रुपये की संपत्ति असली मालिकों को लौटाई

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस के परिमंडल ०८ अंतर्गत बीकेसी, खेरवाड़ी, निर्मल नगर, वकोला, विलापार्ले, सहार और हवाईअड्डा के सात पुलिस स्टेशनों द्वारा अपराधों से जब्त की गई संपत्ति को सामूहिक रूप से लौटाने के लिए बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न अपराधों के तहत जब्त की गई संपत्तियों को सही स्वामियों के हवाले करना था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब्त की गई संपत्तियों में सोनसाखली चोरी, जबरन चोरी और साइबर अपराध से संबंधित अन्य वस्तुएँ शामिल थीं। कुल मिलाकर ६८,३८,६३५ रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई, जिसमें ८,२४,००० रुपये की नकली पिज्जा भी शामिल है। इस प्रकार कुल जब्त संपत्ति की कीमत ८६,६२,६३५ रुपये हुई। इस विशेष समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त मनीष कलवानिया थे। कार्यक्रम में ८६,६२,६३५ रुपये मूल्य की संपत्ति ८९ वास्तविक मालिकों को वापस की गई। कार्यक्रम में खेरवाड़ी और विमानतल विभाग के सहायक पुलिस आयुक्तों के साथ-साथ सभी सात पुलिस थानों के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भी उपस्थित रहे। यह आयोजन पुलिस की पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को दर्शाता है और समुदाय में विश्वास बढ़ाने में मदद करेगा। समारोह के अंत में मनीष कलवानिया ने कहा, 'हमारी कोशिश है कि अपराधों से प्रभावित व्यक्तियों को न्याय मिले और हम उनकी संपत्ति उन्हें वापस करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पुलिस और समुदाय के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना हमारी प्राथमिकता है। यह कार्यक्रम न केवल पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को दर्शाता है, बल्कि इसे नागरिकों के प्रति उनकी जिम्मेदारी को भी स्पष्ट करता है।

हर्षवर्धन सपकाल ने किया महायुति सरकार पर हमला
कहा- 'गजनी सिंड्रोम' से ग्रस्त, किसानों से किया वादा भूली

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में फसल ऋण माफी से इनकार करने के बाद उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बयान पर कांग्रेस ने महायुति सरकार पर तीखा प्रहार किया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बुधवार को कहा कि चुनाव के दौरान किसानों और महिलाओं से बड़े-बड़े वादे करने वाली भाजपा नीत गठबंधन सरकार अब ''गजनी सिंड्रोम' से ग्रस्त हो गई है और अपने वादे भूल चुकी है। उन्होंने बुवाई के मौसम से पहले किसानों का कर्ज माफ करने की मांग की।

'चुनाव के समय वादे, सत्ता में आते ही गजनी सिंड्रोम'

हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि महायुति सहयोगियों ने चुनाव प्रचार के दौरान किसानों के ऋण माफ करने और महिलाओं के लिए भत्ता १,५०० रुपये से बढ़ाकर २,१०० रुपये करने का वादा किया था। लेकिन अब सत्ता में आने के बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'महायुति सरकार के नेता 'गजनी' फिल्म के नायक की तरह पुरानी बातें भूल जाते हैं। उन्होंने अजित पवार के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य की मौजूदा वित्तीय हालत फसल ऋण माफी के अनुकूल नहीं है और किसानों को किस्तों का भुगतान समय पर करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह किसानों के साथ धोखा है।

३१ मार्च से पहले ऋण चुकाने का आदेश अन्याय'

हर्षवर्धन सपकाल ने कहा, 'महायुति सरकार ने ३१ मार्च से पहले किसानों को कर्ज चुकाने का आदेश जारी किया, जिससे साफ होता है कि उनके नेता गजनी सिंड्रोम से पीड़ित हैं। बुवाई के मौसम से पहले किसानों का कर्ज माफ किया जाना चाहिए।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बजट सत्र में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, बल्कि सरकार का ध्यान औरंगजेब की कब्र जैसे मुद्दों पर भटकाने में रहा।

'मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री सिर्फ भाषणबाजी कर रहे'

कांग्रेस नेता ने कहा कि महायुति सरकार केवल बड़े-बड़े भाषण दे रही है लेकिन अपने घोषणापत्र को भूल गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों पर तंज कसते हुए कहा कि वे मंच पर प्रस्तुति देने वालों की तरह काम कर रहे हैं। सपकाल ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया नागपुर यात्रा और (**शेष पेज ०२ पर**)

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी: असफल रिश्तों पर बलात्कार का मामला दर्ज कराना गलत

संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शादी का वादा असफल रहने पर बलात्कार का मामला दर्ज कराने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई रोमांटिक रिश्ता टूट जाता है, तो इसे बलात्कार का मामला नहीं बनाया जाना चाहिए। अदालत ने इस मानसिकता को 'पुरानी सोच' करार देते हुए कहा कि हर बार पुरुष को दोषी मान लेना सही नहीं है। बुधवार को जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ उस व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने महिला द्वारा लगाए गए बलात्कार के आरोपों को खारिज करने की मांग की थी। महिला का दावा था कि उसे शादी का झूठा वादा देकर यौन संबंध बनाए गए।

कोर्ट की सख्त टिप्पणी: पीठ ने कहा कि अगर शिकायतकर्ता के दावे को स्वीकार किया जाता है, तो कॉलेजों और अन्य स्थानों पर लड़के-लड़कियों के बीच सामान्य संबंध भी अपराध की श्रेणी में आ जाएंगे। महिला के वकील ने दलील दी कि यह महज रोमांटिक रिश्ते की खटास नहीं थी, बल्कि एक तयशुदा विवाह का मामला था। इस पर पीठ ने कहा कि महिला बालिग थी और उसे यह समझना चाहिए था कि शादी निश्चित रूप से होगी या नहीं। न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा, 'हम इसे केवल एक पक्ष के नजरिए से नहीं देख सकते... मेरी भी एक बेटी है और अगर वह इस (**शेष पेज ०२ पर**)

भूषण गगरानी के कार्यकाल में भूमाफियाओं-दलालों का वर्चस्व
बीएमसी डी वार्ड का भ्रष्ट डीओ दिलीप अहिरे दे रहा गगरानी को चुनौती!

वी बी माणिक

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) में इन दिनों भूमाफिया, दलाल और गुंडों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है, जिससे मुंबई में अवैध निर्माण चरम पर पहुंच चुका है। बीएमसी के ए, बी, सी, डी और ई वार्डों में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण जारी है, लेकिन बीएमसी प्रशासन इसे रोकने के बजाय मूकदर्शक बना हुआ है। डी वार्ड के कार्यकारी अभियंता और पदनिर्देशित अधिकारी (DO) दिलीप अहिरे पर सबसे गंभीर आरोप हैं। कहा जा रहा है कि वह मनपा आयुक्त भूषण गगरानी को भी चुनौती देते हुए खुलेआम भ्रष्टाचार कर रहा है। सहायक अभियंता, दुय्यम अभियंता, कनिष्ठ अभियंता और मुकादम तक सिर्फ वसूली में लगे हुए हैं, और जो कोई भी इनके खिलाफ आवाज उठाता है, उसे धमकाया जाता है।

मैडम अश्विनी जोशी पर भी उठे सवाल

दूसरी ओर, मुंबई शहर की मुखिया श्रीमती अश्विनी जोशी पर आरोप लग रहे हैं कि वह आम नागरिकों से मिलने तक को तैयार नहीं हैं। नागरिकों को समझ नहीं आ रहा कि यह अति-आत्मविश्वास है या कोई और कारण! 'डी वार्ड में दिलीप अहिरे सबसे बड़ा भ्रष्ट अधिकारी बन गया है, जिसे न ही बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी की परवाह है और न ही कानून की,'नागरिकों का कहना है। बीएमसी के ए, बी, सी, डी और ई वार्डों में अवैध निर्माण को लेकर न्यायालय ने भी मनपा अधिकारियों को फटकार लगाई थी, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। अब सवाल उठता है कि आयुक्त भूषण गगरानी और अतिरिक्त आयुक्त अश्विनी जोशी इन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कब कार्रवाई करेंगे? या फिर यह सिलसिला यूं ही जारी रहेगा और मुंबई के नागरिकों को इन भ्रष्टाचारियों के रहमोकरम पर छोड़ दिया जाएगा?

महादेव बेटिंग एप घोटाला: पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर, 388 करोड़ की संपत्ति अटैच

संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महादेव बेटिंग एप घोटाले में सीबीआई ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बुधवार को महादेव ऐप मामले में एफआईआर पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि, ७४ से अधिक एफआईआर, २०० से अधिक गिरफ्तारी हुई थी। उसके बाद ईडी आई, उसने अपना काम किया। सरकार बदलने के बाद ईडी ने ईओडब्ल्यू को केस सौंपा और ईओडब्ल्यू ने सीबीआई को केस सौंप दिया। अब सीबीआई ने मुझे आरोपी बनाया है। यह एफआईआर १८ दिसंबर २०२४ की है, भारत सरकार के पास कोई कानून नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि, १८६७ गैम्बलिंग एक्ट यानी अंग्रेजों के जमाने का कानून है। ऐसे में केंद्र सरकार ऑनलाइन गेम को लीगल मानती है या इनलीगल। लीगल मानती है तो प्रोटेक्शन मनी का सवाल नहीं उठता, अगर इनलीगल है तो कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? चुनाव के ठीक पहले शुभम सोनी का वीडियो वायरल हुआ था। पहले होटल में असीम दास की गिरफ्तारी होती है और वीडियो भाजपा दफ्तर से जारी होता है। शुभम सोनी दुबई में काउंसलिंग के ऑफिस में जाकर बयान दिया। आखिर उसकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? कांसूलेट कहता है शुभम के बयान की जिम्मेदारी हमारी नहीं है। महादेव सट्टा एप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने ३८८ करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर दी है। इसमें महादेव सट्टा एप की

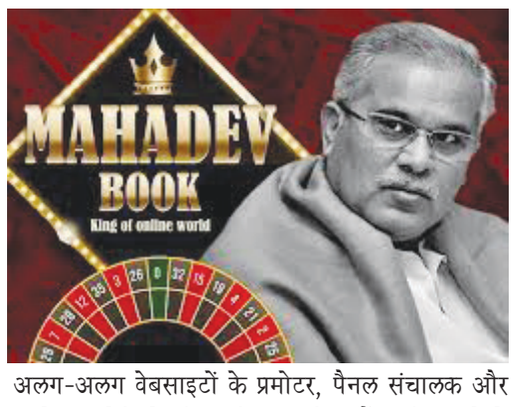

अलग-अलग वेबसाइटों के प्रमोटर, पैनल संचालक और उनके सहयोगियों की संपत्तियां शामिल हैं। इसी मामले में कोलकाता से शेयर कारोबारी गौरव केडिया को गिरफ्तार किया गया है, जो कथित तौर पर सट्टे की रकम को शेयर ट्रेडिंग के जरिए सफेद करने का काम करता था।

अब तक २,३०० करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

ईडी की जांच में सामने आया है कि महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप एक बड़े सिंडिकेट की तरह काम करता था। अब तक २,२९५ करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त या फ्रीज की जा चुकी है, जिसमें नकदी, बैंक बैलेंस, प्रतिभूतियां और चल-अचल संपत्ति शामिल हैं। ईडी ने अब तक ११ लोगों को गिरफ्तार किया है और रायपुर की पीएमएलए अदालत में चार अभियोजन शिकायतें दाखिल की हैं। इससे पहले १४२ करोड़ रुपये की संपत्तियां भी कुर्क की जा चुकी हैं। महादेव सट्टा एप के मुख्य (**शेष पेज ०२ पर**)

दिशा सालियान मौत मामला: बॉम्बे हाईकोर्ट की दूसरी बेंच करेगी सुनवाई

संवाददाता

मुंबई। दिशा सालियान की मौत मामले की सुनवाई अब बॉम्बे हाईकोर्ट की दूसरी बेंच के सामने होगी। बुधवार को यह मामला जस्टिस रेवती मोहिते-डेरे और जस्टिस नीला गोखले की बेंच के समक्ष आया था, लेकिन दिशा के पिता सतीश सालियान के वकील नीलेश ओझा ने तर्क दिया कि यह मामला हाईकोर्ट के रोस्टर के अनुसार जस्टिस सारंग कोतवाल और जस्टिस श्रीराम मोदक की बेंच के सामने आना चाहिए था। हाईकोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वह मामले को उचित बेंच के समक्ष सूचीबद्ध करे।

याचिका में आदित्य ठाकरे पर आरोप

दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने एक याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की मौत के लिए शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे जिम्मेदार हैं। इससे पहले राशिद खान पठान ने भी दिशा की मौत को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका (PIL) दायर की थी। वकील नीलेश ओझा ने अनुरोध किया कि सतीश सालियान की आपराधिक रिट याचिका को इस जनहित याचिका के साथ जोड़ा जाए।

फिर से जांच और सीबीआई जांच की मांग

वकील नीलेश ओझा ने कहा कि इस याचिका को जल्द ही जस्टिस सारंग कोतवाल की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए रखा जाएगा। दिशा सालियान की मौत ८ जून २०२० को हुई थी, जिसे उस समय पुलिस ने आत्महत्या करार दिया था। दिशा के माता-पिता ने भी तब किसी पर शक नहीं जताया था। हालांकि, अब दिशा के पिता ने मामले की फिर से जांच, सीबीआई जांच और आदित्य ठाकरे की गिरफ्तारी जैसी मांगें की हैं।

संपादकीय

युवाओं की उपेक्षा और बूढ़ी सरकार की नीतियां!

कनाडा बेहद छोटा सा देश हैं, लेकिन वहां के युवाओं ने उसे महान बना दिया, जहां हमारे देश के लाखों युवा उच्च शिक्षा लेने जाते हैं। कनाडा के विकास के लिए वहां के युवाओं द्वारा सरकार चलाना ही है। नई ऊर्जा, नई सोच वाले युवा वहां की सरकार में शामिल होते हैं। अर्थात कनाडा भले ही अभी विकासशील राष्ट्र हो, परंतु उसका विकास इतना तो हो ही चुका है कि भारत के लाखों युवा वहां पढ़ने जाते हैं। लाखों उद्यमी, व्यापारी भारत से जाकर वहां बस गए और आज संपत्ति बना ली है। भारत कभी शिक्षा का वैश्विक केंद्र हुआ करता था। तक्षशिला और नालंदा ही नहीं, दर्जनों उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले विश्वविद्यालय थे, जिनमें शिक्षा पाने सुदूर राष्ट्रों से छात्र आते थे। आज सैकड़ों विश्वविद्यालय और तकनीकी ज्ञान के कॉलेज भले ही भारत में खुले हों। केंद्रीय, राजकीय और प्राइवेट विश्वविद्यालय स्थापित हुए हों, लेकिन एक भी विश्वस्तरीय क्यों नहीं है? इस यक्षप्रश्न का उत्तर है कि कनाडा की सरकार शिक्षा के लिए समर्पित है। अच्छे शिक्षा संस्थान हैं, जिन्हें विश्वस्तरीय कहा जा सकता है, जबकि भारत में सरकार बूढ़े चलाते हैं और युवाओं को जयश्रीराम का नारा लगाने, किसी धार्मिक जुलूस के समय मस्जिदों के सामने गाली देने के काम में लगा दिया गया है। कांवड़ यात्रा निकालने के लिए प्रेरित करने हेतु उन पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाकर भ्रमित किया जाता है कि युवा भारत के महान कर्म कर रहे हैं। जिससे गुलाम मानसिकता के प्रभाव में आकर युवा सोशल मीडिया में सच लिखने वाले को गाली देते और मुसलमानों की हलाला संतान बताने में अपनी सारी ऊर्जा नष्ट कर देते हैं।

भारत में बूढ़े नेता शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा पर कोई ध्यान ही नहीं देते। वे सारे सरकारी उपक्रम पूंजीपतियों के हाथों में सौंपकर बेरोजगारी बढ़ाने में अपना योगदान देते हैं। बूढ़े दकियानूसी प्रवृत्ति के हो जाते हैं, इसलिए उन्हें जनता की गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, चिकित्सा का अभाव और हर दिन नए-नए टैक्स बढ़ाना नहीं दिखता। भारत के शिक्षित युवाओं को शिक्षा दिलाने में कोई रुचि नहीं दिखाते, बल्कि शिक्षा बजट में बेहद कमी कर शिक्षा माफियाओं के हाथों सौंप देते हैं, ताकि शिक्षा के नाम पर पूंजीपति निचोड़ लें, जिससे मध्यवर्गीय युवा और गरीब युवा उच्च शिक्षा से वंचित रहकर उनकी जय-जयकार करते रहें। अस्सी करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से नीचे रखने के लिए पांच किलो अनाज मुफ्त में बांटने का ढोंग करते हैं, जबकि अनाज खरीदने में टैक्स दाताओं के पैसे लगते हैं, तो मुफ्त कैसे हुआ? बूढ़ों की सरकार अस्सी करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में कोई दिलचस्पी नहीं रखती। डरते हैं, अगर देश का युवा शिक्षित हो गया, तो बेरोजगारों की भीड़ बढ़ती जाएगी। बेरोजगारों को मुफ्त की रेवड़ियां देकर संतुष्ट किया जाता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक कराकर धनिकों के बच्चों को लाखों में बेच दिया जाता है, जिससे पढ़ाई में कमजोर धनवान युवा ही नौकरियां पा सकें, उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकें। और जब बेरोजगार छात्र सड़कों पर उतरकर परीक्षा फिर से करने की मांग करते हैं, तब उन्हें गुलाम बना दी गई पुलिस द्वारा लाठियों से पिटवा दिया जाता है। चिकित्सा भी प्राइवेट हाथों, पूंजीपतियों को सौंप दी गई है। सरकारी अस्पताल भगवान भरोसे चल रहे हैं। अच्छे डॉक्टरों का अभाव है। जो हैं भी, वे नियमित नहीं मिलते, अपनी क्लिनिक चलाते हैं। नियमित दवाओं की सरकारी अस्पताल में सप्लाई नहीं की जाती, जिससे सरकारी अस्पतालों की जगह बीमार प्राइवेट अस्पताल जाएं और अपनी जमीन-जायदाद बेचकर प्राइवेट अस्पतालों की जेब भरते रहें। सरकार के प्रधानमंत्री, मंत्री को किसी ने सुना है शिक्षा, रोजगार और चिकित्सा पर बात करते हुए? गुलाम मीडिया को सुना है कभी शिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी, चिकित्सा पर कोई वार्तालाप या बहस कराते हुए? प्रिंट मीडिया में कभी गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा, बेरोजगारी और चिकित्सा की बदहाली, महंगाई का मुद्दा उठाते हुए?

सरकार को सर्वकार कहते हैं। सरकार का दायित्व है निःशुल्क सभी को समान शिक्षा देना, रोजगार के संसाधन उपलब्ध कराना और देशवासियों की प्राण रक्षा करना। उसे स्वावलंबी और संपन्न बनाना। कागज पर डेटा जरूर गुलाबी बताए जाते हैं, लेकिन जमीन पर उतरते नहीं देखा जा सकता। योजनाओं की घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन योजनाओं के व्यय की आधी राशि उसका प्रचार करने में फूंक दी जाती है, तो योजनाएं पूरी कैसे हों? नारे बड़े मोहक लगाए जाते हैं। 'मेक इन इंडिया' का नारा दिया जाता है, लेकिन बनी बनाई वस्तुएं चीन से मंगाकर यहां बेची जाती हैं। जो किसान हैं, उनसे पूछा जाए तो यूरिया चीन से आयात की जाती है। पचास किलो की जगह पहले पैतालीस किलो और अब चालीस किलो कर दी गई है। बेहयाई इतनी कि बोरी पर 'मेक इन इंडिया' का लेबल प्रिंट कर देशवासियों के साथ धोखा किया जाता है। देश में कहा जाता है कि साठ साल में लोग सठिया जाते हैं, ऐसे में जब ऐसे लोग सत्ता में रहेंगे तो क्या होगा देश का, यह आसानी से सोचा जा सकता है। टोल टैक्स वसूलने में तेज सरकार जरा गौर करे कि हर साल हादसों में १,६८,००० लोग मारे जा रहे हैं। एक भी गांव ऐसा नहीं जहां की सड़क ठीक हालत में हो। रेल यात्रा करने वाले अस्सी प्रतिशत लोगों के लिए सिर्फ एक कोच, मध्यवर्ग के थ्री-टियर स्लीपर के बारह की जगह पांच, जबकि जनता को मजबूर कर धन उगाही के लिए नौ एसी कोच लगाए जाते हैं। वंदे भारत ट्रेन के लिए सभी गाड़ियों को रोक दिया जाता है, जिसकी सीटें आधी खाली होती हैं। धनिकों की ट्रेन का घाटा गरीबों से वसूला जाता है, वेटिंग टिकट बेचकर और पेनल्टी लगाकर। संविधान निर्माताओं ने जो सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक न्याय देने की बात लिखी है, उसे क्यों नहीं पूरा किया जाता? चंद पूंजीपतियों की आय हर वर्ष दो से चार गुना बढ़ती जाती है, जबकि आम ९९.९९ प्रतिशत लोगों की आय कमतर होती जा रही है। पूंजीपतियों की आय के बूते पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का ढोंग करने वाले आसमान में उड़ना बंद करें। कुर्सी खाली कर दें बूढ़े, ताकि नई ऊर्जा के युवा राजनेता बनकर देश को ऊंचाइयों तक ले जा सकें।

माता जयंती को समर्पित ध्वज मंदिर

रमाकांत पंत

माँ काली व माँ भद्रकाली से पूर्व माँ के जिस स्वरुप का शब्दों के माध्यम से स्मरण किया जाता है, वह नाम है माँ जयंती का और माँ जयंती से ही शुरु होता है माँ का एक सुन्दर मन्त्र- **जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।**

अर्थात् जयंती, मंगला, काली, भद्रकाली, कपालिनी, दुर्गा, क्षमा, शिवा,धात्री,स्वाहा और स्वधा- इन नामों से प्रसिद्ध माँ जगदम्बिके आपको मेरा नमस्कार है। दुर्गा सप्तशती के अर्गलास्तोत्र का यह पहला श्लोक है। इस मन्त्र के बारे कहा गया है,यहां मंत्र सर्व सौभाग्य को प्रदान करने वाला है। इसमें आदि शक्ति मातेश्वरी के ११ नामों का स्मरण होता है, इन्हीं ११ नामों में माँ का प्रथम नाम है जयंती अर्थात् 'जयति सर्वोत्कर्षेण वर्तते इति'। सबसे प्रमुख एवं विजयशालिनी सर्व सौभाग्य दायिनी माँ जयंती का भव्य दरबार कहां पर स्थित है इस विषय पर आज हम अपने पाठकों के सम्मुख इस दुर्लभ एवं खोजपरक आलेख के माध्यम से प्रकाश डाल रहे है। माँ जयंती की महिमा अनंत व अगोचर है। जनपद पिथौरागढ़ के आंचल में माता जयंती का भव्य दरबार पवित्र पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। जनपद मुख्यालय से लगभग २० किलोमीटर की दूरी तय करने के पश्चात् आगे ५ किलोमीटर की दुर्गम चढ़ाई चढ़ने के बाद माँ जयंती के भव्य भवन के दर्शन होते हैं। जिस चोटी पर माता का मन्दिर विराजमान है वह पर्वत शिखर पिथौरागढ़ जनपद की सबसे ऊंची चोटियों में एक है। यहां से चारों ओर पर्वत मालाओं का नजारा बड़ा ही भव्य दिखाई पड़ता है। दूर-दूर तक फैले पर्वतों के शिखर इस चोटी के सामने बहुत ही छोटे प्रतीत होते हैं। समुद्र तल से लगभग २१ सौ मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर को ध्वज मंदिर भी कहते हैं। माँ जयंती को समर्पित इस मंदिर से थोड़ा सा पहले एक अद्भुत गुफा है। इस गुफा में भगवान शंकर एक भव्य अलौकिक स्वरूप में पिंडी के रूप में विराजमान है जिन्हें खण्डे नाथ के नाम से पुकारा जाता है। शिव और शक्ति की यह पावन भूमि युगों- युगों से पूजनीय है। स्कंद पुराण के मानस खण्ड में यहाँ का सुन्दर वर्णन मिलता है। इस स्थान की महिमा के बारे में जब ऋषियों ने व्यास जी से पूछा 'ध्वजपर्वत' की स्थिति, तीर्थस्थान, नदियों का उद्गम एवं वहां स्थित शिवलिङ्गों के माहात्म्य का वर्णन करें। ध्वज पर्वत कहाँ पर स्थित है? उस पर आरुढ़ होने का क्या फल है? वहाँ किन देवों की पूजा होती है। ऋषियों के इस प्रश्न पर व्यासजी ने उत्तर दिया—मुनिवरों! 'रामगङ्गा' के बांई ओर 'पावन' पर्वत है। उसके दक्षिण में 'ध्वज' पर्वत है। उसका शिखर उन्नत है। अनेक धातुओं और औषधियों से वह प्रदीप्त है। सिद्ध, विद्याधर, यक्ष आदि के परिवारों से वह पर्वत वेष्टित है। दिव्य धातुओं की इसमें सहस्रशः खानें हैं। 'हिमालय' को नमस्कार करता हुआ यह 'ध्वजा' की तरह स्थित है। 'श्यामा' (काली नदी) के तीरवासी सिद्धों और चित्रसेनादि गन्धर्वों से यह सेवित है। इस पर्वत पर विशेषतः सिद्धों एवं विद्याधर-गणों का वास है। यहाँ 'चतुर्दशी के दिन आरूढ़ होने पर कामनायें पूर्ण होती हैं। पूर्णिमा के दिन जागरण करने से आठों सिद्धियाँ प्राप्त की जाती हैं। 'शनिप्रदोष' के दिन वहाँ जाने पर कुछ भी शेष नहीं रह जाता। सर्वसिद्धिदायक एवं धनधान्यवर्धक 'ध्वजेश' का माहात्म्य बतलाते हुए व्यास जी ने कहा है कि इस स्थान पर गणनायक 'विकुम्भ'' ने' भगवान शंकर' की ध्वजा धारण की है। 'ध्वज' की आकृति के रूप में उन्नत शिखर पर 'ध्वजेश' शिव विराजमान हैं। उनका पूजन कर निःसन्देह सब सिद्धियाँ मिलती हैं। उनका पूजन न करने पर दुःख सम्भावित रहता है । 'कनेल' के फूलों से 'ध्वजेश' का पूजन करने पर सिद्धियाँ प्राप्त होती हैं। 'ध्वजेश' के अतिरिक्त कोई अन्य देव अभीष्ट सिद्धि दायक नहीं हैं। इस पर्वत पर औषधियों का विशाल भंडार बताया जाता है। इस स्थान से एक प्रसन्न नामक वैश्य की भी कथा जुड़ी हुई है। पुराणों के अनुसार वह धार्मिक, जितेन्द्रिय, मितभाषी और अतिथिपूजक था। उसी के समान उसका पुत्र 'सत्यधर्मा' भी बड़ा शिवभक्त एवं सत्यनिष्ठ था समय के चलते चक्र में एक बार उसे दरिद्रता ने आ घेरा। वह अपनी पत्नी समेत निर्जन वन में आ गया यहाँ एक शिवयोगी से उसकी भेंट हुई दोनों शाम्ब सदाशिव का ध्यान करते हुए ध्वज पर्वत पर पहुंचे शिव एवं शक्ति की कृपा से उन्हें यहां अलौकिक सिद्धियां प्राप्त हुई तथा ज्ञात हुआ कि चतुर्दशी को 'ध्वजेश' का पूजन करने पर मानवों को अलौकिक सिद्धियों की प्राप्ति होती है। स्कंद पुराण में कहा गया है कि जो मनुष्य एकाकी 'ध्वजेश' का पूजन कर रात्रिजागरण करता है, उसे सिद्धि प्राप्त होती है। ध्वज क्षेत्र की महिमा का बखान करते हुए स्कंद पुराण के मानस में महर्षि व्यास जी ने लिखा है 'ध्वज' के दाहिनी ओर 'ध्वजगुहा' है।

वहाँ शंकर का पूजन करके गङ्गा स्नान का फल प्राप्त होता है। फिर 'ध्वज' के पूर्व भाग में 'सिद्धगुहा' है, वहां 'सिद्धेश' का पूजन कर सिद्धजल से स्नान करने पर गूंगापन दूर होता है। ध्वज-पर्वत से 'नन्दा', 'चर्मण्वती'' तथा 'सत्यवती' ये तीन नदियाँ निकलती हैं। इनका जल पीने से गोदान का फल मिलता है। ये तीनों नदियाँ 'काली' (श्यामा) नदी में मिलती हैं। 'नन्दा' और 'चर्मण्वती' के मध्य 'चर्मेश' का पूजन कर शिवलोक प्राप्त होता है। 'नन्दा' में स्नान कर 'ध्वजेश' का पूजन करने से धन-लाभ होता है। उसके पश्चिम भाग में 'कालिका' का पूजन तथा कालिका-जलों में स्नान कर 'शिवलोक' प्राप्त होता है। 'ध्वज' के पश्चिम में 'कालापी'' नदी है। उसमें स्नान करने से गङ्गास्नान का फल मिलता है। उसके मूल में महादेवी और शंकर का पूजन होता है। आगे बला नदी और कालापी का सङ्गम है। वहाँ बलेश शंकर का पूजन होता है। यहां की विराट महिमां को लेकर अलौकिक गाथाओं का भंडार है, जिसे पुराणों में विस्तार के साथ पढ़ा जा सकता है माँ जयंती को समर्पित इस पावन स्थल की महिमा कुल मिलाकर अपरम्पार है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी पांव प्रसार रही है ब्लडप्रेशर की बीमारी

सुभाष आनंद

वर्तमान समय में तेजी से बदलते रहन-सहन और खान-पान के चलते लोगों का ब्लड प्रेशर लगातार बढ़ रहा है जो गंभीर चिंता का विषय है। खाने पीने के शौकीन लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या लगातार बढ़ रही है, उच्च रक्तचाप के कारण दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ता जा रहा है और अकाल मृत्यु की घटनाएं बढ़ रही है। पहले शहरी अमीरों की बीमारी समझा जाने वाला ब्लड प्रेशर का रोग अब ग्रामीणों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। देश भर में जवान लोगों की बढ़ती मृत्यु की घटनाओं में जिस प्रकार बढ़ोतरी हो रही है उससे चिंताएं बढ़ रही है। ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट दिल्ली के मेडिसन विभाग के डॉक्टरों का एक मत से कहना है कि मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में उच्च रक्तचाप को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए और ना ही लोगों को जागरूक किया जा रहा है, जिससे भविष्य में लोगों के हृदय रोग के शिकार होने की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। एक सर्वे के अनुसार पंजाब में ४५ से ६० वर्ष की आयु में उच्च रक्तचाप की समस्या सबसे अधिक पाई जाती थी लेकिन अब कुछ वर्षों से जवान लोगों को भी उच्च रक्तचाप की समस्या से घिरे हुए देखा गया है। लॉगगिट यूडिट एजिग स्टडी ऑफ़ इंडिया की ओर से प्रकाशित शोध पर आई एम ई (एस) ने पुनः शोध किया और दोबारा उच्च रक्तचाप की बढ़ती समस्या पर चिंता प्रकट शोधकर्ताओं ने बताया कि अनियमित लाइफस्टाइल इसका मुख्य कारण है,इसके साथ और भी कई कारण है जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है जैसे शराब का सेवन, घी-तेल, तले भुने खाने का अधिक सेवन, फास्ट फूड का प्रयोग, खेती में स्प्रे का बढ़ता चलन इत्यादि। पिछले कुछ दिनों में ४५ वर्ष की उम्र वालों में हाई ब्लड प्रेशर सबसे ज्यादा बढ़ा है। ४० प्रतिशत लोगों में उच्च रक्तचाप से पहले वाले लक्षण मौजूद होते हैं, इसी कारण दिल के दौरे और स्ट्रोक होने का लोगों में ज्यादा खतरा है। पूरे भारत में स्थिति बहुत गंभीर होती जा रही है। देश भर में खान-पान ठीक ना होने के कारण उच्च रक्तचाप के रोगियों में लगातार वृद्धि होती जा रही है। कुछ डॉक्टरों का मानना है कि महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में उच्च रक्तचाप की समस्या ज्यादा पाई जाती है।

ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ कम्युनिटी मेडिसन एवं स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ में तैनात डॉक्टरों की टीम का कहना है कि १५ से ४९ वर्ष के आयु वर्ग में पुरुष उच्च रक्तचाप का प्रसार बराबर आयु की महिलाओं की तुलना में अधिक है। उन्होंने बताया कि ४५ प्रतिशत भारतीय वयस्क उच्च रक्तचाप से ग्रस्त मिले जबकि ३० फीसदी को निदान और नियंत्रण के अभाव से उच्च रक्तचाप था। उच्च रक्तचाप से पीड़ित युवा और उम्रदराज आबादी दोनों के साथ हमारे सामने एक बड़ा स्वास्थ्य संकट मौजूद है। शोध में पाया गया है कि ६० वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्गों का वजन कम है।

ऐसे में देखा जाए तो अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए कुछ सावधानियां बरतनी पड़ेगी, बदलते मौसम में बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है, लोगों को फास्ट फूड से परहेज करना चाहिए और सुबह शाम लंबी सैर की आदत डालना जरूरी है, यदि आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए और नियमित दवाई का सेवन करना भी चाहिए। उच्च रक्तचाप के कारणों पर नजर डाली जाए तो साफ स्पष्ट है कि लोगों ने मेहनत वाला काम करना छोड़ दिया है, महिलाएं भी अब घरों के काम में रुचि नहीं लेती। पहले कपड़े धोने, पानी भरने जैसे मेहनत वाले काम महिलाएं किया करती थी जिससे उनका पर्याप्त व्यायाम हो जाता था। पुरुष भी काम पर पैदल या साइकिल से जाया करते थे। यह काम अब कम होने लगे हैं। लोगों में शराब की लत पहले से ज्यादा बढ़ रही है। पहले लोग दूध, लस्सी, मक्खन खाया करते थे लेकिन अब यह गांव में भी लुप्त होता जा रहा है,इसी कारण अब यह बीमारी घर घर में दस्तक दे रही है।

पेज 1 का शेष...

लोकसभा में वक्फ संशोधन...

समिति लोकतांत्रित तरीके से चर्चा करती है। चर्चा, विचार विमर्श और बदल ाव के बाद बिल आया है। बदलाव स्वीकार नहीं करना तो समिति का क्या मतलब है? वक्फ की संपत्तियां बेचने वालों को पकड़कर बाहर निकालेंगे, वक्फ के नाम पर अपनी संपत्तियां १०० साल के लिए पट्टे पर देने वालों को पकड़ेंगे। वक्फ की आय कम हो रही है, जिस आय से हमें अल्पसंख्यकों के लिए विकास करना है और उन्हें आगे बढ़ाना है, वह पैसा चोरी हो रहा है। वक्फ बोर्ड और काउंसिल उसे पकड़ेंगे। वक्फ धार्मिक और चैरिटेबल के मकसद से बनाए गए हैं। इसिलए देखेंगे कि आय हो रही है या नहीं। इनकम जनरेशन के लिए आपके सुझावों का भी स्वागत है। दरगाहों और मस्जिदों के इमामों ने भी सुझाव दिए हैं। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन ने सदन को बताया कि वर्तमान में ८.७२ लाख वक्फ सम्पत्तियां हैं। इनका सही इस्तेमाल करें तो मुसलमान ही नहीं, देश की तकदीर बदल जाएगी। मैं जम्मू-कश्मीर गया, वहां वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन महिला हैं। उन्होंने बताया कि पहले इनकम और रिकॉर्ड की कोई व्यवस्था नहीं थी। उनके आने के बाद ४० करोड़ आय हुई है। वही AIMIM नेता असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी बात को रखते हुए बिल की कॉपी को फाड़ दिया। उनके इस कदम को बिल के विरोध के तौर पर देखा जा रहा है। ओवैसी ने कहा कि मैं वक्फ बिल का कड़ा विरोध करता हूं। यह असंवैधानिक बिल है। ओवैसी ने कहा कि सरकार ये जो कानून बना रही है वो आर्टिकल २६ का उल्लघन है। बीजेपी देश में झगड़े पैदा करना चाहती है. कल को कलेक्टर और डीएम कहेगा यह सरकार की संपत्ति है और वहां पोस्टर चस्पा कर देगा। सीपीआई सांसद डी राजा ने कहा, सीपीआई समेत वामपंथी दल वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ वोट करेंगे।

हर्षवर्धन सपकाल ने किया महायुति...

RSS संस्थापक के स्मारक की यात्रा इस बात का संकेत है कि उनका पद खतरे में है और वह संघ का समर्थन मांग रहे हैं।

क्या महायुति सरकार अपने वादे निभाएगी?

कांग्रेस ने महाराष्ट्र सरकार पर दबाव बनाते हुए कहा है कि अगर महायुति सरकार में जरा भी ईमानदारी है, तो वह केंद्र से विशेष पैकेज लेकर किसानों का कर्ज माफ करे। अब देखना होगा कि सरकार इस पर क्या कदम उठाती है या फिर विपक्ष का यह हमला और तेज होता है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी...

स्थिति में होती, तो मुझे इसे व्यापक दृष्टिकोण से देखने की जरूरत होती। महिला के वकील ने तर्क दिया कि उसके मुवक्किल के पास कोई विकल्प नहीं था, क्योंकि उसके पिता कैंसर से पीड़ित थे और वह उनकी इच्छा पूरी करना चाहती थी। इस पर पीठ ने कहा कि वैवाहिक अधिकारों की बहाली के प्रावधानों की भी समीक्षा की जानी चाहिए, जो महिलाओं को पति के साथ रहने के लिए मजबूर करते हैं। कोर्ट ने कहा कि वह मामले की अगली सुनवाई में व्यक्ति द्वारा दायर अपील की विस्तार से जांच करेगी और इस विषय पर कानून के व्यापक प्रभावों पर भी विचार किया जाएगा।

महादेव बेटिंग एप घोटाला...

प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं। ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि महादेव एप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सट्टेबाजी को बढ़ावा देता था और इसके जरिए मनी लॉन्ड्रिंग को अंजाम दिया जाता था। इसके लिए एप के पास बेनामी बैंक खातों का एक जटिल नेटवर्क था, जिसका उपयोग अवैध धन के लेनदेन के लिए किया जाता था।

जानिए ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री जी से आज का राशिफल

मेष: आज घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

वृषभ: आज नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र का विकास एवं विस्तार होगा। उपहार मिल सकता है। संतान की चिंता दूर होगी। अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन: आज अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों से न उलझें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे।

कर्क: आज दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे। मानसिक संतोष, प्रसन्नता रहेगी। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। दूसरों की नकल न करें। चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी।

सिंह: आज घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्यों में विलंब से चिंता होगी। मानसिक उद्विग्नता रहेगी। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा।

कन्या: आज पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। प्रेम-संबंधों में सफलता मिलेगी। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

तुला: आज वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। संतान के व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

वृश्चिक: आज पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं। नई योजनाओं की शुरुआत होगी।

धनु: आज व्यवसाय लाभप्रद रहेगा, नई योजनाएं बनेंगी। रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। स्वयं के ही प्रयासों से जनप्रियता एवं मान-सम्मान मिलेगा। रुका काम समय पर पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मकर: आज निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। रोमांस में सफलता मिलेगी, आपसी संबंधों को महत्व दें। पूंजी संचय की बात बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कुंभ: आज उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

मीन: आज मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा।

किसान ने कर्ज चुकाने के लिए अंग बेचने की पेशकश की, सरकार से वादे पूरे करने की मांग

संवाददाता

वाशिम। महाराष्ट्र के वाशिम जिले में एक किसान ने सरकार द्वारा कर्ज माफी के वादे को पूरा न करने के विरोध में अनोखा तरीका अपनाया। अडोली गांव के सतीश इडोले नामक किसान ने अपने शरीर के अंगों की कीमत लगाते हुए एक तख्ती गले में डालकर बाजार में प्रदर्शन किया।

कर्ज चुकाने के लिए शरीर के अंग बेचने की पेशकश

इंटरनेट पर वायरल हुए वीडियो में इडोले को वाशिम के व्यस्त बाजार में एक तख्ती लेकर घूमते देखा गया, जिस पर लिखा था 'किसानों के अंग खरीदें'। उन्होंने अपनी किडनी की कीमत ७५,००० रुपये, लीवर की ९०,००० रुपये और आंखों की २५,००० रुपये तय की थी। उनके इस विरोध प्रदर्शन ने राहगीरों और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया।

परिवार के अंगों पर भी लगाए दाम

पत्रकारों से बात करते हुए, इडोले ने कहा, 'चुनाव से पहले देवेंद्र फडणवीस ने किसानों के कर्ज माफ करने का वादा किया था। अब हमें खुद ऋण चुकाने के लिए कहा जा रहा है, जबकि हमारी स्थिति बेहद खराब है। हमारे पास कुछ भी नहीं बचा है। अपने कर्ज को चुकाने के लिए उन्होंने न केवल अपने, बल्कि अपने परिवार के अंगों पर भी मूल्य टैग लगा दिया। उन्होंने पत्नी की किडनी ४०,००० रुपये, बेटे की २०,००० रुपये और सबसे छोटे बच्चे की १०,००० रुपये में बेचने की पेशकश की। उनका कहना था कि उनके शरीर के अंग भी उनके १ लाख रुपये के कर्ज को चुकाने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। इडोले ने जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक पत्र सौंपा, जिसमें सरकार से कर्ज माफी के वादे को पूरा करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, 'अगर जल्द राहत नहीं मिली तो आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। सिर्फ दो एकड़ जमीन के मालिक इडोले ने महाराष्ट्र बैंक से ऋण लिया था, लेकिन लगातार फसल नुकसान और कम कीमतों के कारण कर्ज चुकाने में असमर्थ रहे।

अजित पवार के बयान से नाराजगी

उनका यह विरोध उपमुख्यमंत्री अजित पवार के हालिया बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसानों को अपने कर्ज खुद चुकाने होंगे और सरकार उन्हें माफ नहीं करेगी। इडोले ने इस रुख की निंदा करते हुए कहा, 'सरकार ने ७/१२ रिकॉर्ड को साफ करने का वादा किया था, लेकिन अब पुनर्भुगतान की मांग कर रही है। सोयाबीन सिर्फ ३,००० रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है। किसानों को धोखा दिया जा रहा है और उन्हें फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है।

किसानों में बढ़ता आक्रोश

इडोले का यह विरोध महाराष्ट्र में किसानों की बढ़ती हताशा को दर्शाता है। सरकार की कर्ज माफी नीति और फसलों की कम कीमतों को लेकर किसान लगातार नाराजगी जता रहे हैं। राज्य सरकार को इस मामले पर जल्द प्रतिक्रिया देनी होगी, ताकि किसानों को राहत मिल सके और इस तरह के हृदयविदारक विरोध प्रदर्शन दोबारा न हों।

आदतन अपराधी ने महिला के घर में पेट्रोल डालकर लगाई आग

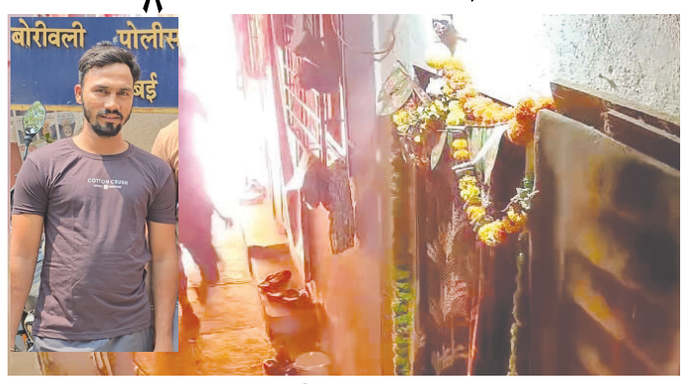

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के बोरोवली से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहाँ एक आदतन अपराधी ने कुर्सी को लेकर हुए विवाद के बाद एक महिला के घर में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आरोपी ने न केवल महिला को, बल्कि उसके पड़ोसियों को भी धमकाया। बोरीवली पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता लक्ष्मी प्रभाकर बोनाटाला (३४) जो कि भीमनगर, गोराई, बोरीवली में रहती हैं एवं घरेलू कामगार के रूप में अपना गुजारा करती हैं, ने ३१ मार्च को आरोपी विशाल उदमाले उर्फ जंगली के साथ कुर्सी पर बैठने को लेकर विवाद किया। आरोपी ने पहले गाली-गलौज की और बाद में पत्थर लेकर लौटा, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। १ अप्रैल को भोर में, विशाल कथित तौर पर पेट्रोल लेकर आया और लक्ष्मी के घर (मकान नंबर ५६) के दरवाजे पर डालकर आग लगा दी। सौभाग्य से, स्थानीय लोगों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, लेकिन इस घटना ने आस-पास के लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

लक्ष्मी ने बोरीवली पुलिस स्टेशन में तुरंत शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा ७९, ३५१(२), ११५(२), ३२६(जी) और १३१ के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद आरोपी विशाल उदमाले को गिरफ्तार किया गया और उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे ४ अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है, और आस-पास की सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। स्थानीय समुदाय में इस घटना को लेकर चिंता और दहशत का माहौल बना हुआ है।

बी.कॉम तृतीय वर्ष की छात्रा ने इमारत से कूदकर की आत्महत्या

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के दादर इलाके में एक २० वर्षीय महिला ने १४ मंजिला इमारत की छत से कूदकर कथित तौर पर अपनी जान दे दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। बी.कॉम तृतीय वर्ष की छात्रा ज़ाना सेठिया मंगलवार शाम को हिंदू कॉलोनी स्थित टेक्नो हाइट्स बिल्डिंग की छत से कूद गई। वह अपने माता-पिता के साथ उसी बिल्डिंग की आठवीं मंजिल पर रहती थी। अधिकारियों के मुताबिक, घटना के समय सेठिया अपने दो दोस्तों के साथ छत पर गई थी। अचानक, वह छलांग लगा बैठी, इससे पहले कि उसके दोस्त उसे रोक पाते। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन पुलिस को उसकी डायरी मिली है, जिसमें आत्महत्या के विचारों के संकेत मिले हैं। उसके दोस्तों ने बताया कि वह एक असफल प्रेम संबंध के कारण अवसाद में थी। माटुंगा पुलिस स्टेशन में 'दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट' (ADR) दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

बुलढाणा में भीषण सड़क हादसा, बस और एसयूवी की टक्कर में 5 की मौत, 24 घायल

संवाददाता

बुलढाणा। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में बुधवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि २४ से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा खामगांव-शेगांव राजमार्ग पर तड़के करीब ५:३० बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार बोलेरो कार महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) की बस से टकरा गई। इसके तुरंत बाद, एक प्राइवेट बस ने इन दोनों वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे दुर्घटना और गंभीर हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तत्काल खामगांव के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस और प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर मौजूद हैं और दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही हैं। प्राइवेट बस के आगे के केबिन को भारी नुकसान हुआ है, और उसमें फंसे चालक को निकालने के प्रयास जारी हैं। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

100 दिवसीय कार्य योजना: जलापूर्ति एवं स्वच्छता विभाग में 90-95 प्रतिशत लक्ष्य पूरे, मंत्री गुलाबराव पाटिल ने की समीक्षा

संवाददाता

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा तैयार की गई १०० दिवसीय योजना में जलापूर्ति एवं स्वच्छता विभाग ९० से ९५ प्रतिशत लक्ष्य पूरे कर चुका है। शेष कार्यों को जल्द पूरा करने के लिए विशेष योजना बनाने और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

जलापूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल की अध्यक्षता में मंत्रालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रधान सचिव संजय खंडारे, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के सदस्य सचिव अभिषेक कृष्ण, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के निदेशक ई.रवींद्र, संयुक्त सचिव बी.जी.पवार, मुख्य अभियंता प्रशांत भामरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर जल' योजना की समीक्षा की गई, जिसमें 'टैंक जलापूर्ति' योजना की प्रगति, सभी जल स्रोतों की १०० प्रतिशत जियो-टैगिंग, स्कूलों और आंगनवाड़ियों में पेयजल सुविधाओं की उपलब्धता और राज्य में १० जलपरीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना जैसे कार्य शामिल थे। इसके अलावा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन की समीक्षा की गई, जिसमें गांवों को खुले में शौच से मुक्त (ODF) घोषित करने की प्रक्रिया, गोवर्धन परियोजना, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना और अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में १०० दिवसीय योजना के अंतर्गत कार्यालय सुधार अभियान की भी समीक्षा हुई, जिसमें वेबसाइट की सुगमता, कार्यालयों और शौचालयों की स्वच्छता, नागरिकों की सेवाओं तक आसान पहुंच, विभिन्न शिकायतों का त्वरित निवारण और अर्द्धन्यायिक मामलों का शीघ्र निपटान शामिल था।

मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा कि विभाग ने ९०-९५ प्रतिशत लक्ष्य पूरे कर लिए हैं, शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए अधिकारियों को सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

खाशाबा जाधव के नाम पर कुश्ती परिसर का निर्माण, 10 करोड़ रुपये जारी

संवाददाता

मुंबई। दिवंगत पहलवान खाशाबा जाधव ने अपने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ ओलंपिक पदक जीतकर देश और राज्य का नाम गौरवान्वित किया। उनके नाम पर एक कुश्ती परिसर का निर्माण करना वास्तव में गर्व का विषय है, जिसके लिए १० करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की गई है। क्रीड़ा मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने तुरंत आर्किटेक्ट द्वारा योजना बनाने और निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। मंत्रालय में दिवंगत पहलवान खाशाबा दादासाहेब जाधव अंतरराष्ट्रीय कुश्ती परिसर के संबंध में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर तालुका परिसर समिति के सदस्य रंजीत जाधव, प्रियंका जाधव, भारती जाधव, खेल विभाग के उप सचिव सुनील पांढरे, सहायक निदेशक सुधीर मोरे, जिला खेल अधिकारी नितिन तारलकर, तहसील दार कल्पना धावले, और भूमि अभिलेख उपाधीक्षक प्रवीण पवार उपस्थित थे। क्रीड़ा मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने कहा कि कुश्ती परिसर के निर्माण के लिए नजदीकी गांव की भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि परिसर के लिए धनराशि पहले ही वितरित की जा चुकी है और निर्माण कार्य तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। मंत्री ने निर्देश दिया कि भविष्य में अगली धनराशि टप्पों में वितरित की जाएगी और इस कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए।

ठाणे महानगर पालिका ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 810 करोड़ रुपये का संपत्ति कर वसूला

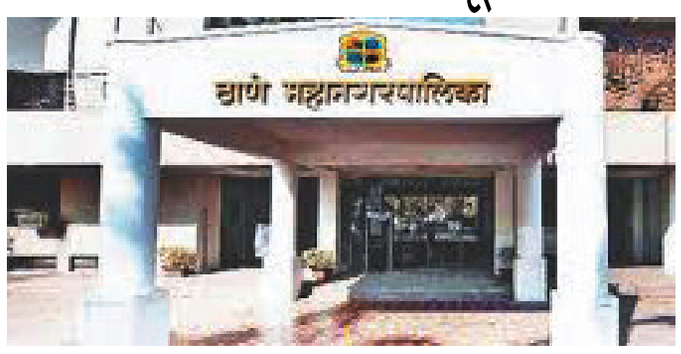

संवाददाता

ठाणे। ठाणे महानगर पालिका (टीएमसी) ने वित्तीय वर्ष २०२४-२०२५ में ८१० करोड़ रुपये का संपत्ति कर वसूला है, हालांकि इस वर्ष टीएमसी ने ८५० करोड़ रुपये वसूलने का लक्ष्य रखा था, जो लक्ष्य से ४० करोड़ रुपये कम रहा। टीएमसी अधिकारियों के अनुसार, विशेष वसूली अभियान सफल रहा है जिसमें ९५ प्रतिशत की वसूली की गई है। टीएमसी आयुक्त सौरभ राव ने ठाणे के नागरिकों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने अपने करों का समय पर भुगतान किया और नगर निगम के साथ सहयोग किया। टीएमसी के कर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें करों का भुगतान करने के लिए डिजिटल भुगतान के माध्यम से नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उल्लेखनीय है कि वर्ष २०२३-२०२४ में संपत्ति कर संग्रह ७०२ करोड़ रुपये था, जबकि इस वर्ष पिछले साल के कर संग्रह से १०८ करोड़ रुपये अधिक वसूले गए हैं। टीएमसी के अधिकारियों ने बताया कि संपत्ति कर टीएमसी के लिए राजस्व का महत्वपूर्ण स्रोत है और कर संग्रह को बढ़ाने के लिए कई विशेष अभियान चलाए गए हैं। संपत्ति धारकों ने ऑनलाइन लिंक के माध्यम से अपने बकाया करों का भुगतान किया है। टीएमसी अधिकारियों के अनुसार, संग्रह केंद्र पर करों के भुगतान के लिए चेक, मनीऑर्डर, एटीएम-डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड जैसे कई तरीके उपलब्ध हैं। साथ ही, नगर निगम ने छुट्टियों और सार्वजनिक अवकाशों पर भी करों का भुगतान करने की सुविधा प्रदान की है। टीएमसी ने ऑटो रिक्शा की मदद से इलाके में घोषणा करके नागरिकों से कर अदा करने की अपील की है। कर विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जिन संपत्ति धारकों ने तय समय में कर अदा नहीं किए, उनके खिलाफ नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस के बावजूद भी कर अदा न करने वालों के खिलाफ टीएमसी ने संपत्ति को सील और कुर्क करके कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। टीएमसी के नगर निगम कर विभाग के डिप्टी कमिश्नर जीजी गोदेपुरे ने बताया कि आयुक्त सौरभ राव नियमित रूप से कर विभाग के अधिकारियों के साथ कर संग्रह की समीक्षा करते हैं। अधिकारियों का कहना है कि लगभग ८८.४८ प्रतिशत कर ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त हुए हैं, और नागरिकों ने करों का भुगतान करने के लिए ऑनलाइन तरीकों का उपयोग करने में उत्साह दिखाया है।

ईडी ने एनएसईएल धोखाधड़ी मामले में 115.86 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

संवाददाता

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ५,६०० करोड़ रुपये के नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) निवेश घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोमवार को ११५.८६ करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क कीं। इस ताजा कार्रवाई के बाद, अब तक इस मामले में कुल ३,४३३.०६ करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं। ईडी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियों में एनएसईएल के विभिन्न डिफॉल्टरों—मोहन इंडिया ग्रुप, विमलादेवी एग्रोटेक लिमिटेड, यथुरी एसोसिएट्स और लोटस रिफाइनरीज की मुंबई, दिल्ली और राजस्थान में स्थित १५ अचल संपत्तियां शामिल हैं।

कैसे हुआ ५,६०० करोड़ का घोटाला?

ईडी के मुताबिक, इस मामले में आरोपी व्यक्तियों ने निवेशकों को धोखा देने के लिए आपराधिक साजिश रची और उन्हें एनएसईएल के प्लेटफॉर्म पर व्यापार करने के लिए प्रेरित किया। इसके लिए कथित तौर पर फर्जी गोदाम रसीदें और अन्य जाली दस्तावेज बनाए गए। आरोपियों ने खातों में हेराफेरी कर निवेशकों के साथ आपराधिक विश्वासघात किया, जिससे उन्हें ५,६०० करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

निवेशकों के पैसे का किया गबन

ईडी ने बयान में कहा कि एनएसईएल ने विक्रेताओं को बिना यह सुनिश्चित किए कि उनके गोदामों में उचित मात्रा और गुणवत्ता की वस्तुएं उपलब्ध हैं, व्यापार करने की अनुमति दी। इससे हजारों निवेशकों ने गैर-मौजूद वस्तुओं में निवेश कर दिया। साथ ही, निवेशकों से एकत्र की गई राशि को एनएसईएल के व्यापारिक सदस्यों (डिफॉल्टरों) द्वारा रियल एस्टेट में निवेश करने, बकाया ऋण चुकाने और अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों में इस्तेमाल किया गया। ईडी इस मामले में पहले ही एनएसईएल, विभिन्न डिफॉल्टरों और ब्रोकिंग कंपनियों के खिलाफ सात अभियोजन शिकायतें (चार्जशीट) दाखिल कर चुका है।

अजित पवार ने एनसीपी कार्यकर्ताओं को दी नसीहत, कहा- आपराधिक तत्वों से दूर रहें

संवाददाता

बीड। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने बुधवार को बीड जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं को अपनी छवि साफ रखने और असामाजिक तत्वों से दूरी बनाए रखने की हिदायत दी। वह जिले में एनसीपी के युवा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। अजित पवार की यह टिप्पणी उस समय आई है जब पिछले साल बीड में मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड की जबरन वसूली से जुड़े मामले सुर्खियों में रहे। इसके चलते पिछले महीने धनंजय मुंडे को मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

गुंडा राज खत्म करने की चेतावनी

पवार ने कहा, 'अपनी छवि साफ रखें और असामाजिक तत्वों से दूर रहें।' उन्होंने यह भी ऐलान किया कि जिले में फ्लाई-ऐश कारोबार पर हावी गिरोहों के साथ-साथ रेत और भू-माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बीड की मानसिकता बदलने की जरूरत

अजित पवार ने कहा कि बीड जिले के लोगों को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जबकि राज्य के अन्य हिस्सों ने विकास किया है, यहां तो कचरा प्रबंधन भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। पवार ने कहा कि १ मई को महाराष्ट्र के गठन के ६२ साल पूरे हो जाएंगे, लेकिन मराठवाड़ा के आठ जिलों (जिसमें बीड भी शामिल है) का अपेक्षित विकास नहीं हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जातिगत विभाजन और जिले की नकारात्मक छवि को सुधारने पर जोर दिया।

कार्यकर्ताओं को ८० प्रतिशत सामाजिक और २० प्रतिशत राजनीतिक कार्य करने की सलाह

एनसीपी प्रमुख ने कहा कि कार्यकर्ताओं को समाजसेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए। हमें ८० प्रतिशत सामाजिक कार्य और २० प्रतिशत राजनीति पर ध्यान देना चाहिए, उन्होंने कहा। गौरतलब है कि परली से विधायक धनंजय मुंडे अजित पवार के इस कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर सफाई दी कि वह मुंबई में इलाज के लिए गए हैं। अजित पवार ने अपने संबोधन के बाद जिला योजना समिति की बैठक में भी हिस्सा लिया, जहां जिले के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

AIMPLB to challenge Waqf Bill in court, hold nationwide protests

New Delhi: The All India Muslim Personal Law Board (AIMPLB), a major organisation representing Muslims in India, on Wednesday said it will challenge the Waqf (Amendment) Bill in court and take the fight against the "black law" that threatens the community's rights to the streets.The Waqf Bill was tabled in the Lok Sabha for discussion and passage on Wednesday. If passed by the Lower House, the Bill will be tabled in the Rajya Sabha. Criticising the proposed legislation at a press conference, AIMPLB member Md Adeeb claimed it was an attempt to seize properties of the Muslim community. "They have started this spectacle thinking they can take away our property. Can this be accepted? Do not think that we are defeated," Adeeb said. Stating that the Bill was opposed during deliberations of the Joint Parliamentary Committee (JPC) set up to review it, Adeeb said, "It should not be assumed that we have lost the battle. We

have just begun. This is a fight to save the country because the proposed law endangers the very fabric of India." He urged all conscientious citizens to resist the Bill and reaffirmed the AIMPLB's commitment to oppose it both legally and through public demonstrations."We will go to court. We will not rest until this (proposed) law is withdrawn," he added.
AIMPLB Vice President Mohammad Ali Mohsin said the Muslim body "categorically rejects" the Waqf (Amendment) Bill 2025, describing it as discriminatory, communally motivated and a blatant infringement on the constitutional rights of Muslim citizens. AIMPLB spokesperson Mohammad Ali Mohsin said, "We have started this fight because we want to save the country. Our aim is to put an end to this black law." He said board members will hold nationwide protests on the lines of the farmers' agitation. "We will organise programmes across the country just like farmers did. If needed, we will block roads and take all peaceful measures to oppose the bill," Mohsin said. He said that the Bill undermines fundamental principles of religious freedom, equality and justice, enshrined in Articles 14, 25 and 26 of the Constitution. He outlined several key objections, including concerns that the Bill erodes Waqf Board autonomy by altering its composition and introducing non-Muslim members, thereby compromising the community's right to manage its own religious and charitable endowments.

TN CM Stalin seeks appointment with PM Modi to press for 'fair delimitation'

New Delhi: Tamil Nadu Chief Minister M K Stalin on Wednesday reiterated his request for an appointment with Prime Minister Narendra Modi to present a memorandum on the concerns over the proposed delimitation. Stalin reminded PM Modi of the request he had made days ago seeking time to meet him along with MPs from various parties, to present the memorandum on the concerns surrounding the proposed delimitation. In a post on 'X,' the chief minister said: "As previously mentioned, we urgently seek your time to convey our united stance on this critical issue for our people. Awaiting your earliest response." The CM also posted on social media an official letter he wrote to the Prime Minister on March 27, 2025 seeking an "audience" with him over this issue. In his letter, Stalin said: "On March 22, 2025, Chennai hosted

the inaugural Joint Action Committee meeting on fair delimitation, a historic gathering that brought together Chief Ministers, Deputy Chief minister and prominent leaders representing diverse political ideologies from across India." Further, Stalin said in the letter: "The voices emerging from our deliberations transcend political boundaries, embodying the concerns of citizens from diverse regions who seek fair representation in our Parliamentary democracy.

AAP MLAs suspended from Delhi Assembly after protest demanding resignation of Minister Kapil Mishra

New Delhi : The final day of the first Budget Session of the newly constituted eighth Assembly witnessed high drama as AAP MLAs staged a protest demanding the resignation of Delhi Law and Justice Minister Kapil Mishra.
The protest erupted a day after a court directed the registration of an FIR against Mishra over his alleged role in the 2020 Delhi riots.
Carrying placards and raising slogans, AAP legislators stormed into the well of the House, prompting Speaker Vijender Gupta to suspend at least seven of them—Kuldeep Kumar, Sanjeev Jha, Mukesh Ahlawat, Surendra Kumar, Jarnail Singh, Aale Mohammed, and Anil Jha. Leader of Opposition Atishi, leading the protests, accused the Bharatiya Janata Party (BJP) of shielding Mishra. “All the accused in the riots are in jail. Why is Kapil Mishra not behind bars? We are demanding his resignation, but the BJP is protecting him,” she told PTI Videos.
Speaker Gupta instructed the Assembly secretary to verify whether the suspended MLAs remained within the premises and were continuing their protest despite the suspension order. Speaker Gupta during the first session of the eighth Assembly on March 3, ruled that any

MLA who is suspended or marshalled out must vacate the Vidhan Sabha premises entirely.
The ruling comes in response to a dispute over whether the suspended legislators could remain in certain areas of the Assembly complex, such as the lawns and the office of the Leader of Opposition. The protest follows a court ruling by Additional Chief Judicial Magistrate Vaibhav Chaurasia on Tuesday, which found a “prima facie” case for investigation against Mishra. The court ordered Delhi Police to file a compliance report by April 16. The legal proceedings stem from a complaint by Yamuna Vihar resident Mohammad Ilyas, who alleged Mishra's involvement in the communal violence that erupted in northeast Delhi on February 24, 2020, leaving 53 dead and scores injured.

Waqf bill attack on Constitution's basic structure, INDIA bloc opposes it: Gogoi

New Delhi : Congress MP Gaurav Gogoi on Wednesday said the INDIA bloc will oppose the proposed changes to the Waqf law and called the bill an attack on the basic structure of the Constitution with an aim to dilute its provisions, defame minorities, disenfranchise them and divide the Indian society.
Hitting back, former Union minister and BJP leader Ravi Shankar Prasad said when large number of Waqf properties are lying vacant and being looted, the government has all powers to bring a law to regulate it. He told Gogoi that while he cited Constitution, he did not present a complete picture on its various provisions authorising government to bring laws on various issues, including Waqf properties.
Initiating the debate on the Waqf (Amendment) Bill, Gogoi accused the government of misleading Parliament, referencing past discussions on the matter. "This bill is an attack on the basic structure of our Constitution, an attack on our federal structure, and has four primary objectives: to dilute the Constitution, to defame minority communities, to divide

Indian society, and to disenfranchise minorities," he alleged.
"The claim that the 2013 UPA government did not act on this issue is false. Repeated allegations have been made," Gogoi said, questioning the necessity of the amendments.
He further argued that the bill had not been adequately discussed with minority representatives. "In 2023, four meetings of the Minority Commission were held, and yet, there was no mention of the need for a Waqf amendment bill. I ask the government - was this bill drafted by the Minority Affairs Ministry or some other department?" The opposition MP also raised concerns over Clause 3, which defines individuals practising Islam. "Minorities are now being forced to prove their religious identity with certificates. Tomorrow, will people from other faiths also have to do this? This is against Article 26 of the Constitution," he said.
"Which community do you want to mislead? The same community that fought for India's independence? The community that sacrificed alongside Mangal Pandey in 1857? You want to tarnish the reputation of a community in which 2 lakh ulema were martyred? You seek to defame the community that supported us during the Quit India Movement? You want to stain the name of the community that supported the Dandi March on April 6, 1930?" Gogoi said. "You wish to malign the community that opposed the British policy of divide and rule in 1926? You aim to taint the community whose leader, Maulana Hussain Ahmad Madani, demanded complete independence?" he added.
Gogoi also accused the government of spreading misinformation about the bill's impact on women's rights.

RBI च्या डेप्युटी गव्हर्नरपदी पूनम गुप्ता यांची नियुक्ती; जागतिक बँकेत २० वर्षांचा अनुभव!

नई दिल्ली: जागतिक बँकेच्या माजी अर्थतज्ज्ञ पूनम गुप्ता यांची भारतीय रिझर्व्ह बँकेच्या डेप्युटी गव्हर्नर पदी नियुक्ती करण्यात आली आहे. ७ ते ९ एप्रिल दरम्यान होणार्या द्वैमासिक चलनविषयक धोरण समितीच्या बैठकीपूर्वी ही नियुक्ती करण्यात आली. पुढच्या तीन वर्षांच्या कालावधीसाठी त्या या पदावर असणार आहेत. मायकल पात्रा सध्या या पदावर आहेत.
पूनम गुप्ता सध्या नॅशनल कॉऊन्सिल ऑफ अप्लाइड इकॉनॉमिक रिसर्च (NCAER)च्या महासंचालक म्हणून काम पाहतात. त्या पंतप्रधानांच्या आर्थिक सल्लागार परिषदेच्या सदस्या आहेत आणि १६ व्या वित्त आयोगाच्या सल्लागार परिषदेच्या संयोजक म्हणून काम करतात. पूनम गुप्ता २०२१ मध्ये एनसीएईआरमध्ये सामील झाल्या, त्यांच्यासोबत वॉशिंग्टन डीसी येथे आंतरराष्ट्रीय नाणेनिधी (आयएमएफ) आणि जागतिक बँकेत वरिष्ठ पदांवर जवळजवळ दोन दशकांचा अनुभव आहे. शिवाय, गुप्ता यांनी मेरीलँड विद्यापीठ (यूएसए)

च्या दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्समध्ये अध्यापनाची पदे भूषवली आहेत आणि दिल्लीतील इंडियन स्टॅटिस्टिकल इन्स्टिट्यूट (ISI) मध्ये व्हिजिटिंग फॅकल्टी सदस्य म्हणून काम केले आहे. नॅशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फायनान्स अँड पॉलिसी (NIPFP) मध्ये फ्झक चेअर प्रोफेसर आणि इंडियन कॉऊन्सिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनॅशनल इकॉनॉमिक रिलेशन्स (ICRIER) मध्ये प्रोफेसर म्हणूनही त्यांनी काम केलंय. शिवाय, गुप्ता NIPFP आणि ग्लोबल डेव्हलपमेंट नेटवर्क (GDN) च्या बोर्डवर पदांवर आहेत आणि Poverty and Equity आणि The World Development Report या जागतिक बँकेच्या सल्लागार गटांच्या सदस्य आहेत.त्या NITI आयोगाच्या विकास सल्लागार समितीचा देखील भाग आहेत आणि FICCI च्या कार्यकारी समितीवर काम करतात. उल्लेखनीय म्हणजे, भारताच्या G20 अध्यक्षपदाच्या काळात त्यांनी मॅक्रोइकॉनॉमिक्स आणि ट्रेडवरील टास्क फोर्सचे अध्यक्षपद भूषवले. NCAER मध्ये, गुप्ता आर्थिक वाढ, आंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली, केंद्रीय बँकिंग, मॅक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता, सार्वजनिक कर्ज आणि राज्य वित्त यासारख्या प्रमुख क्षेत्रांवर कार्य करत आहेत. गुप्ता यांनी अमेरिकेतील मेरीलँड विद्यापीठातून अर्थशास्त्रात पीएचडी आणि पदव्युत्तर पदवी घेतली आहे.

आईसमोरच पत्नीने पतीला केली बेदम मारहाण, व्हिडीओ व्हायरल; कुठे घडली घटना?

नई दिल्ली: आपल्या आईच्या समोरच पत्नीने पतीला बेदम मारहाण केल्याचा व्हिडीओ सोशल मीडियावर चांगलाच व्हायरल झाला आहे. या व्हिडीओत एक महिला तिच्या पतीला चांगलीच मारहाण करताना दिसते आहे. ज्याला मारहाण झाली तो माणूस लोको पायलट म्हणून काम करतो.
मध्य प्रदेशातील सतना या ठिकाणी राहणारा लोको पायलट आणि त्याच्या पत्नीचा वाद झाला. यानंतर या महिलेने तिच्या पतीला बेदम मारहाण केली. पत्नी छळ करते, मारहाण करते म्हणून या लोको पायलटने त्याच्या खोलीत एक छुपा कॅमेरा बसवला होता. कॅमेरात आईच्या देखतच महिला तिच्या पतीला मारहाण करताना दिसते आहे. यानंतर हा व्हिडीओ सोशल मीडियावर व्हायरल झाला आहे. हा लोको पायलट त्याच्या पत्नीच्या छळाला कंटाळला आहे. त्याने यासंदर्भात पोलिसात तक्रारही केली. मात्र काहीही उपयोग झाला नाही, त्यामुळे त्याने शेवटी खोलीत छुपा कॅमेरा बसवला. या कॅमेरात ही सगळी घटना कैद झाली आहे आणि हा व्हिडीओ व्हायरल झाला आहे. मध्य प्रदेशातील सतना या ठिकाणी राहणाऱ्या या लोको पायलटचं नाव लवकेश असं आहे. लवकेशची सासू म्हणजेच त्याच्या पत्नीची आईही या व्हिडीओत दिसते आहे. लवकेशची सासूही मुलीला समजावून सांगण्याचा प्रयत्न करते आहे. मात्र महिलेने काहीही ऐकलं नाही. ती लवकेशच्या छातीवर लाथा बुक्क्यांनी मारहाण करताना दिसते आहे. हा व्हिडीओ व्हायरल झाल्यानंतर आता सतना येथील पोलीस ठाण्यात तक्रारही नोंदवण्यात आली आहे.लवकेश प्रकरणातला जो व्हिडीओ व्हायरल झाला आहे त्यात लवकेशला त्याची पत्नी मारहाण करताना दिसते आहे. तसंच तिच्यासह तिची आई आहे असंही या व्हिडीओत दिसतं आहे. तर शेजारी मेहुणा आहे आणि त्याच्या हाती एक मूलही आहे. या दोघांमधला वाद कुठल्या गोष्टीवरुन झाला हे समजू शकलेलं नाही. मात्र सोशल मीडियावर हा व्हिडीओ चांगलाच व्हायरल झाला आहे. सोशल मीडियावर रेल्वे कर्मचारी लवकेश कुमार यांचा व्हिडीओ व्हायरल झाला आहे. त्यांना त्यांच्या पत्नीकडून मारहाण होताना दिसते आहे. २१ मार्चला लवकेश कुमार यांनी त्यांची पत्नी, सासू आणि मेहुणा या तिघांच्याविरोधात तक्रार दाखल केली होती. विविध कलमांअन्वये आम्ही आता गुन्हा दाखल केली आहे. ७ एप्रिलला आम्ही त्यांना न्यायालयात हजर करणार आहोत अशी माहिती पोलिसांनी दिली.

महात्मा गांधींच्या पणती नीलमबेन पारिख यांचं वयाच्या ९२ व्या वर्षी निधन, गुजरातमधल्या नवसारी येथील घरी घेतला अखेरचा श्वास

नई दिल्ली: महात्मा गांधींची पणती नीलमबेन पारिख यांचं गुजरातमधल्या नवसारी या ठिकाणी त्यांच्या निवासस्थानी निधन झालं आहे. नीलमबेन ९२ वर्षांच्या होत्या. महात्मा गांधी आणि त्यांचा मोठा मुलगा हरिलाल यांच्यातल्या मतभेदांवर नीलमबेन पारिख यांनी एक पुस्तक लिहिलं होतं ज्यामुळे त्या चर्चेत आल्या होत्या. दक्षिणपथ आदिवासी महिलांच्या उद्धारासाठी नीलमबेन यांनी त्यांचं आयुष्य वेचलं. या आदिवासी महिलांना स्वावलंबन शिकवणं, शिक्षण देणं आणि आर्थिकदृष्ट्या सक्षम करण्याचं काम नीलमबेन यांनी केलं. हरिलाल गांधी आणि त्यांच्या पत्नी गुलाब यांना पाच मुलं होती. त्यापैकी रामीबेन यांची कन्या म्हणजे नीलमबेन. नीलमबेन या त्यांच्या खादीवरील निष्ठेसाठीही ओळखल्या जात होत्या त्यांनी त्यांचं संपूर्ण आयुष्य समाजासाठी वेचलं अशी माहिती नीलमबेन यांचे चिरंजीव डॉ. समीर पारिख यांनी इंडियन एक्स्प्रेसला दिली. माज्या आईला (नीलमबेन) कुठलाही आजार नव्हता. गेल्या काही दिवसांपासून वयोमानामुळे तिने जेवण जवळपास सोडून दिलं होतं. तिला ऑस्टिओपोरोसिस होता. त्यामुळे तिची हाडं ठिसूळ झाली होती. या एका कारणासाठी मी रुग्णालयात तिला न नेण्याचा निर्णय घेतला. मंगळवारी मी तिच्याजवळ बसून होतो. तिच्या नाडीचे ठोके हळूहळू मंदावले, त्यानंतर हळूहळू कुठलीही वेदना किंवा त्रास न होता तिने प्राण सोडले. माज्या आईचं निधन अत्यंत शांततेत झालं. वेदना न होता तिला मृत्यू आला अशी माहिती समीर पारेख यांनी दिली. आमच्यावर गांधी विचारधारा आमच्या आईने कधीही लादली नाही. मात्र तिचं आयुष्य पाहून आम्ही सगळेच प्रभावित झालो होतो. अशीही माहिती समीर पारिख यांनी दिली.

ड्रग्ज विक्री प्रकरणातील सातजणांच्या तडीपारीचे प्रस्ताव : पालकमंत्री उदय सामंत

रत्नागिरी : रत्नागिरी जिल्ह्यात ड्रग्ज विळखा वाढत असून, ड्रग्ज विक्री करणाऱ्यांची यादी तयार करण्यात आली आहे. या प्रकरणातील सातजणांच्या तडीपारीचे प्रस्ताव तातडीने तयार करण्याच्या सूचना जिल्हा पोलीस दलाला दिल्या असल्याची माहिती जिल्ह्याचे पालकमंत्री उदय सामंत यांनी पत्रकार परिषदेत दिली.
रत्नागिरी जिल्हाधिकारी कार्यालयात विविध विभागांची बैठक पालकमंत्री उदय सामंत यांनी घेतली. यावेळी पोलीस दलाला ड्रग्जबाबत कडक कारवाई करण्याच्या सूचना देण्यात आल्या असल्याचे सामंत यांनी यावेळी सांगितले. राज्यासह जिल्ह्यातही ड्रग्जचा विळखा वाढत आहे. तरुण पिढी यात मोठ्या प्रमाणात गुरफटत असल्याचे दिसून येत आहे. ड्रग्जविरोधात पोलीस दलाने तीव्र मोहीम राबवावी. यात विक्री प्रकरणात गुन्हे दाखल असलेल्यांची यादी तयार करण्यात आली असून, यातील सातजणांच्या तडीपारीचे प्रस्ताव तातडीने सादर करण्याच्या सूचना

दिल्या असल्याचेही पालकमंत्री सामंत यांनी सांगितले.ते म्हणाले की, जिल्ह्यात मायक्रो फायनान्स करणाऱ्या कंपन्यांविरोधात अनेक महिलांनी तक्रारी केल्या आहेत. यातील १६ कंपन्यांच्या अधिकाऱ्यांना बैठकीला बोलावण्यात आले होते. २० ते ३० हजार रुपये थकलेल्यांना वसुलीसाठी रात्री अपरात्री प्रत्यक्ष जावून किंवा फोन करुन त्रास दिला जात आहे. यातील १६ कंपन्यांच्या अधिकाऱ्यांना बैठकीला बोलावण्यात आले होते. २० ते ३० हजार रुपये थकलेल्यांना वसुलीसाठी रात्री अपरात्री प्रत्यक्ष जावून किंवा फोन करुन त्रास देण्याचे काम या कंपन्यांकडून होत आहे. यापुढे सकाळी ९ ते संध्याकाळी ६ वाजेपर्यंतच वसुली करावी अन्यथा कायदेशीर कारवाई करण्याच्या सूचना पोलीस यंत्रणेला दिल्या आहेत. या मायक्रो फायनान्सबाबत ३ एप्रिल रोजी बैठक आयोजित करण्याच्या सूचना जिल्हाधिकाऱ्यांना देण्यात आल्याचे देखील पालकमंत्री सामंत यांनी सांगितले.

ऐश्वर्या राय के साथ हमेशा रहने वाला ये शख्स कौन

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन के बॉडीगार्ड शिवराज के बारे में शायद कोई-कोई जानता है। लेकिन, वह हमेशा ऐश्वर्या के साथ उनकी सुरक्षा के लिए मौजूद रहते हैं, चाहे वह किसी इवेंट में जा रही हों या किसी फंक्शन में। ऐश्वर्या के बॉडीगार्ड शिवराज बच्चन परिवार की सुरक्षा की जिम्मेदारी पिछले कई सालों से उठा रहे हैं। साल 2015 में, जब शिवराज ने शादी की थी, ऐश्वर्या राय बच्चन इस खास मौके पर शामिल भी हुई थीं और उनकी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो गई थीं । अब सवाल ये उठता है कि ऐश्वर्या राय के बॉडीगार्ड शिवराज की सैलरी कितनी है ? हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिवराज को हर महीने करीब 7 लाख रुपये मिलते हैं। इसका मतलब है कि सालाना उनका सेलेरी लगभग 84 लाख रुपये होता है। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के बॉडीगार्ड शेरा के बारे में हर कोई जानता है। आज हम आपको ऐश्वर्या राय बच्चन के बॉडीगार्ड शिवराज के बारे में जो एक्ट्रेस के साथ उनकी परछाई बनकर रहते हैं। इसके अलावा, ऐश्वर्या राय के एक और बॉडीगार्ड हैं जिनका नाम राजेंद्र है, और वह कथित तौर पर हर साल 1 करोड़ रुपये कमाते हैं।

इससे साफ है कि ऐश्वर्या राय के बॉडीगार्ड्स की सैलरी काफी ज्यादा है, क्योंकि उनकी सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है।

'इंडियाज गॉट लैटेंट' के विवाद के बाद अपूर्वा मखीजा ने अपने इंस्टाग्राम से सभी पोस्ट किए डिलीट

अपूर्वा मखीजा 'इंडियाज गॉट लैटेंट' के विवादास्पद एपिसोड में शामिल कॉमेडियन में से एक हैं। सोशल मीडिया पर ह्यद रिबेल किड' के नाम से मशहूर मखीजा ने मंगलवार को अपने फैंस को बड़ा झटका दिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सभी पोस्ट डिलीट कर दिए। अपूर्वा मखीजा ने इंस्टाग्राम पर किसी को भी फॉलो करना बंद कर दिया है, लेकिन अभी भी उनके 30 लाख से अधिक फॉलोअर हैं। अब उन्होंने यह कदम क्यों उठाया है, इसका पता नहीं चल पाया है। फरवरी में, अपूर्वा मखीजा ने साथी कॉमेडियन समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में जज के रूप में काम किया था। रणवीर इलाहाबादिया द्वारा माता-पिता और सेक्स के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद यह शो एक बड़े विवाद में फंस गया था। इलाहाबादिया की टिप्पणी के बाद, मुंबई में उनके और शो से जुड़ीं मखीजा और रैना एवं अन्य लोकप्रिय सोशल मीडिया हस्तियों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध करते हुए कई शिकायतें दर्ज कराई गईं।

मखीजा पर यूट्यूब शो के दौरान आपत्तिजनक टिप्पणी करने का भी आरोप है और वह इस मामले के सिलसिले में मुंबई पुलिस के समक्ष पेश हुई थीं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी शो में इलाहाबादिया, मखीजा, रैना, जसप्रीत सिंह और आशीष चंचलानी द्वारा की गई अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणियों को गंभीरता से लिया और उन्हें एवं शो के निमार्ता तुषार पुजारी और सौरभ बोथरा को तलब किया। रणवीर इलाहाबादिया ने पिछले हफ्ते ही सोशल मीडिया पर वापसी की है। एक वीडियो संदेश में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने बताया कि उनका पॉडकास्ट शो ₹द रणवीर शो₹ भी जल्द ही वापस आएगा।

अनंत अंबानी की साली नहीं किसी एक्ट्रेस से कम

राधिका मर्चेंट और उनकी बड़ी बहन अंजलि हाल ही में एक इवेंट में साथ नजर आईं। इस इवेंट में दोनों बहनों का फैशन लुक बहुत ही खास था, जहां एक ने ट्रेडिशनल लुक अपनाया तो दूसरी ने वेस्टर्न स्टाइल को चुना। राधिका मर्चेंट अपने स्टाइलिश और ट्रेंडी लुक्स के लिए जानी जाती हैं, और इस बार भी उन्होंने फैशन के मामले में किसी को निराश नहीं किया।इस इवेंट में अंजलि ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने ब्राइट ग्रीन कलर का ऑफ-शोल्डर गाउन पहना था, जो कोर्सेट लुक में था। इस गाउन ने अंजलि के लुक को और भी खूबसूरत बना दिया। अंजलि ने सिंपल मेकअप और बन हेयरस्टाइल के साथ अपना लुक कंप्लीट किया, और हल्के डायमंड ईयररिंग्स पहने थे। उनके लुक की तारीफ हर किसी ने की, और उन्होंने पैपराजी के लिए भी जमकर पोज दिए।वहीं, राधिका मर्चेंट ने ट्रेडिशनल लुक अपनाया था। उन्होंने 35 साल पुरानी चंदेरी साड़ी पहनी थी, जो पेस्टल कलर में थी। साड़ी के साथ उन्होंने एक आर्काइव कोर्सेट और स्कार्फ भी पहना था, जो विविएन वेस्टवुड के 1990 के पोर्ट्रेट कलेक्शन से था। इस लुक को उन्होंने एक हैवी नेकपीस के साथ पूरा किया, जिससे वह बेहद प्यारी और स्टाइलिश लग रही थीं। दोनों बहनों के लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है।

फेमस गायक पर टूटा दुखों का पहाड़, परिवार में दौड़ी शोक की लहर

मशहूर सूफी गायक हंस राज हंस की पत्नी रेश्मा का आज दोपहर निधन हो गया है। वह करीब 60 साल की थीं और पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रही थीं। बताया जा रहा है कि रेश्मा को हाल ही में हार्ट की समस्या के कारण एक स्टंट भी डलवाना पड़ा था, और इसी बीमारी के कारण उनका निधन हुआ। हंस राज हंस, जो एक प्रसिद्ध भारतीय गायक और राजनीतिज्ञ हैं, इस दुखद घटना से गहरे शोक में हैं। हंस राज हंस भारतीय जनता पार्टी के सदस्य भी हैं और उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री जैसे महत्वपूर्ण नागरिक सम्मान से नवाजा गया है। वे पंजाबी लोक और सूफी संगीत के साथ-साथ फिल्मों में भी अपनी आवाज का जादू बिखेर चुके हैं और उन्होंने पंजाबी पॉप एल्बम भी जारी किए हैं।रेश्मा के निधन की खबर से संगीत और राजनीति की दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई है। इस समय हंस राज हंस और उनके परिवार को यह दुख सहने की ताकत मिले, यही हम कामना करते हैं।

भगवान द्वारकाधीश का मंदिर क्यों इतना प्रसिद्ध है? जिसकी पदयात्रा पर निकले हैं अनंत अंबानी

भगवान द्वारकाधीश का मंदिर, जिसे जगत मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के द्वारका में स्थित एक प्राचीन और प्रतिष्ठित हिंदू मंदिर है। यह मंदिर भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित है और हिंदू धर्म के चार धामों में से एक माना जाता है। माना जाता है द्वारका नगरी को खुद भगवान कृष्ण ने बसाया था, और यह स्थान उनकी लीलाओं से जुड़ा हुआ है। इसी मंदिर में जन्मदिन से पहले अनंत अंबानी भगवान द्वारकाधीश का आशीर्वाद लेने के लिए जामनगर से द्वारका तक की 140 किलोमीटर लंबी पदयात्रा कर रहे हैं। आइए जानते हैं उस मंदिर के बारे में जहां पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी 10 अप्रैल को अपना 30वां जन्मदिन भगवान द्वारकाधीश के दर्शन के साथ मनाएंगे। बताया जाता है अनंत अंबानी की भगवान द्वारकाधीश में गहरी आस्था है, और वे अपने जन्मदिन के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करेंगे।

द्वारकाधीश के मंदिर की विशेषताएं

प्राचीनता और निर्माण

भगवान द्वारकाधीश का मंदिर हिंदू धर्म के चार धामों में से एक है और यह भगवान कृष्ण को समर्पित है। यह मंदिर गुजरात राज्य के द्वारका शहर में स्थित है।माना जाता है कि इस मंदिर का मूल निर्माण भगवान कृष्ण के

प्रपौत्र वज्रनाभ ने लगभग 2,500 वर्ष पूर्व कराया था। वर्तमान संरचना 15वीं-16वीं शताब्दी में विस्तारित की गई थी।

अनूठी वास्तुकला

यह मंदिर अपनी भव्यता और सुंदर नक्काशी के लिए जाना जाता है। मंदिर का शिखर 78।3 मीटर ऊंचा है और इस पर एक विशाल ध्वजा हमेशा लहराता रहता है। मंदिर पांच मंजिला है, जो 72 स्तंभों पर आधारित है। इसका शिखर 78।3 मीटर ऊंचा है, और यह चूना पत्थर से निर्मित है, जो आज भी अपनी प्राचीन स्थिति में है।

मंदिर के शिखर पर स्थित ध्वज सूर्य और चंद्रमा को दशार्ता है, जिसे दिन में पांच बार बदला जाता है, लेकिन प्रतीक समान रहता है।

पौराणिक महत्व

मान्यता है कि यह मंदिर उस स्थान पर बना है जहां भगवान कृष्ण ने द्वारका नगरी बसाई थी। यह मंदिर लगभग 2500 साल पुराना माना जाता है।यह मंदिर अपनी भव्यता और सुंदर नक्काशी के लिए जाना जाता है। मंदिर का शिखर 78।3 मीटर ऊंचा है और इस पर एक विशाल ध्वजा हमेशा लहराता रहता है।

द्वारकाधीश मंदिर का धार्मिक महत्व

यह मंदिर वैष्णव भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है।यहां हर साल जन्माष्टमी का त्योहार बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। मान्यता है कि द्वारका यात्रा का पूरा फल तभी मिलता है जब आप बेट द्वारका की यात्रा करते हैं। द्वारकाधीश मंदिर में जन्माष्टमी पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव के बाद धनकाना लुटाने की अनोखी परंपरा है, जिसके लिए ये मंदिर प्रसिद्ध है। यहां धनकाना लुटाने की परंपरा कई बर्षो से चलन में है। यह परंपरा हर साल जन्माष्टमी के एक दिन पहले भगवान कृष्ण जन्म की खुशी के रूप में मनाई जाती है।

हीट स्ट्रोक से बचाएगा चंदन का शरबत, ये भी हैं गजब के फायदे

चंदन का लेप माथे पर लगाने से ठंडक और पॉजिटिविटी महसूस होती है। इसके अलावा ये स्किन केयर में भी इस्तेमाल किया जाता है और चंदन की खुशबू स्ट्रेस को दूर करती है। इसका सेवन करना भी बेहद फायदेमंद होता है। गर्मियों में शरीर को हेल्दी रखने के लिए ठंडी तासीर की चीजों का सेवन करने की जरूरत होती है। अब अप्रैल में तेज धूप होने लगी है और तापमान काफी ज्यादा बढ़ गया है, ऐसे में हीट स्ट्रोक से बचाव करने के लिए गर्मी में चंदन का शरबत बनाकर पी सकते हैं। ये आपके शरीर को हाइड्रेट रखेगा और अंदर से ठंडक देगा। इससे सेहत को और भी कई तरह के फायदे होते हैं।

चंदन का इस्तेमाल ज्यादातर अरोमाथेरेपी के लिए भी किया जाता है और ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी इसका इस्तेमाल होता है। चंदन की किस्म और क्वालिटी पर निर्भर करता है कि उसमें क्या-क्या न्यूट्रिशन होते हैं। इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट्स और सूजनरोधी गुण होते हैं। जान लेते हैं चंदन का शरबत कैसे बना सकते हैं और इसके क्या-क्या फायदे होते हैं।

लू से बचाता है चंदन का शरबत

चंदन का शरबत शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है, क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है, जिससे बॉडी टेम्परेचर कंट्रोल में रहता है और लू से बचाव होता है।

यूरीन से जुड़ी समस्याओं में फायदा

गर्मी के दिनों में डिाइड्रेशन की वजह से यूरीन कम बनता है तो वहीं पसीने की वजह से भी बैक्टीरिया पनप जाते हैं, जिससे जैसे टॉयलेट करते वक्त जलन महसूस होना, इन्फेक्शन होना। चंदन का शरबत यूरीन से जुड़ी इन समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक है।

स्ट्रेस होता है कम: चंदन का शरबत पीने से मानसिक थकान से राहत मिलती है, जिससे स्ट्रेस कम होता है। वहीं गर्मी की वजह से होने वाले चिड़चिड़ेपन से भी चंदन का शरबत राहत दिलाता है।

त्वचा को होता है फायदा: चंदन का लेप लगाने से तो त्वचा चमकदार बनती ही है, इसके अलावा अगर आप इसका शरबत बनाकर पीते हैं तो त्वचा को अंदर से पोषण मिलता है और नेचुरल ग्लो आता है साथ ही रंगत में भी निखार होता है।

पाचन को होगा फायदा

चंदन का शरबत पेट को ठंडक दिलाता है, जिससे गर्मी के दिनों में होने वाली डाइजेशन की समस्याएं, जलन, एसिडिटी, मितली-उल्टी से राहत मिलती है।

ऐसे बनाएं चंदन का शरबत

चंदन का शरबत बनाना है तो आपको एडिबल चंदन का पाउडर चाहिए होगा। इसे एक हल्के कॉटन या फिर मलमल के कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। इसके बाद एक बड़े बर्तन में पानी को गर्म करके उसमें चीनी डालें और उबाल आने दें। इस स्टेज पर इसमें दूध एड करके फिर से उबालें और दो चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसमें जो झाग आएं उसे निकाल दें और चाशनी तैयार होने पर इसमें चंदन की पोटली डालकर रातभर के लिए छोड़ दें, सुबह इसे छानकर बोतलों में भरकर फ्रिज में स्टोर कर लें।

जीवन में इन 6 चीजों पर भूल से भी न रखें पैर, हो जाती है पैसों की कमी!

अपने दैनिक जीवन में हम सभी कई ऐसी चीजों का उपयोग करते हैं जिन्हें हिंदू धर्म के अनुसार देवी-देवताओं का प्रतीक माना जाता है। इसलिए आप हर चीज को वहां नहीं रख सकते जहां आप चाहते हैं। ऐसी मान्यता है कि देवता स्वयं कई जानवरों और पक्षियों में निवास करते हैं। शास्त्रों के अनुसार, इन पशु-पक्षियों या वस्तुओं पर पैर भी नहीं रखना चाहिए। अन्यथा, उसे देवताओं का अनादर करने वाला माना जाता है। परिणामस्वरूप, तुम पाप करोगे। जिसका उत्तर शायद परलोक में देना पड़ेगा। क्या आप जानते हैं कि शास्त्रों के अनुसार किन चीजों पर कभी पैर नहीं रखना चाहिए?

गाय

हिन्दू धर्म में पारंपरिक तौर पर गाय को देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि गाय एक प्रिय पशु है, फिर भी उस पर कभी पैर नहीं रखना चाहिए। गाय पर पैर रखने से आपकी बुद्धि भ्रष्ट हो जाएगी और जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

पीतल का बर्तन

पीतल का बर्तन भगवान सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए इस बर्तन में कभी पैर नहीं रखना चाहिए। इससे कुंडली में चंद्रमा कमजोर हो सकता है और जीवन में कई तरह की मुश्किलें आने लगती हैं।

शंख

शास्त्रों के अनुसार, कण-कण में देवता निवास करते हैं। जिस तरह से हम पृथ्वी पर चलते हैं वह भी पवित्र है। क्योंकि हिंदू धर्म में पृथ्वी को मां का स्थान और दर्जा दिया गया है। यदि शंख आपके सामने हो तो उसे कभी भी पैर से नहीं छूना चाहिए। साधना के अनुसार शंख में देवी लक्ष्मी का वास होता है। शंख पर पैर रखने से न केवल आपका पैर कट सकता है, बल्कि इससे आर्थिक नुकसान भी हो सकता है।

झाड़ू

झाड़ू को भी देवी लक्ष्मी के प्रतीकों में से एक माना जाता है। इसलिए कभी भी पैर नहीं छूना चाहिए। झाड़ू दरिद्रता दूर करती है, क्योंकि इसमें देवी लक्ष्मी का वास होता है।

भोजन और पेय

किसी भी खाद्य पदार्थ पर पैर रखना प्रतिबंधित है। भोजन का एक भी कोना पैर से नहीं छूना चाहिए। इसके अलावा कभी भी पूजा या बलि की वस्तुओं को अपने पैरों से नहीं छूना चाहिए। इससे जीवन में कई समस्याएं आ जाती हैं।

तुलसी के पत्ते

हिन्दू धर्म में तुलसी के पत्तों का विशेष महत्व है और वे पूजनीय हैं। तुलसी के पत्तों को कभी भी पैरों से नहीं छूना चाहिए। आप धन प्राप्ति से वंचित रह सकते हैं। इसके साथ ही जीवन में कई कष्ट उठाने पड़ सकते हैं। इसलिए इन चीजों पर भूल से पैर न रखें।

जिलाधिकारी ने एजेंसियों की लचर कार्यप्रणाली पर जताई नाराजगी, दिए कड़े निर्देश

संवाददाता

झाँसी, उत्तर प्रदेश। झाँसी जिले में जल जीवन मिशन और पेयजल आपूर्ति को लेकर जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने समीक्षा बैठक की। उन्होंने एजेंसियों की धीमी कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताते हुए जल आपूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सीएस इंटरप्राइजेज को 16 गाँवों में 25 अप्रैल तक 100% जलापूर्ति करने का अंतिम अल्टीमेटम दिया। साथ ही गुलारा, बचावली, टेहरका और कुरैछा में प्राथमिकता से जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जहाँ पाइपलाइन डाली जा चुकी है, वहाँ तत्काल जलापूर्ति शुरू होनी चाहिए। इसके अलावा, 613 गाँवों में क्षतिग्रस्त 1658 किमी सड़कों में से 1540 किमी की मरम्मत पूरी हो चुकी है, जबकि शेष 118 किमी सड़क जल्द से जल्द ठीक करने के आदेश दिए गए। 07 अप्रैल तक झाँसी नगर में जल आपूर्ति चालू करने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जलापूर्ति की लगातार टेस्टिंग की जाए, ताकि किसी भी समस्या को तुरंत ठीक किया जा सके।

इस दौरान झाँसी पेयजल पुनर्गठन योजना फेस-2 की समीक्षा भी की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे योगेन्द्र कुमार, डीडीओ सुनील कुमार, अधिशासी अभियंता जल निगम रणविजय सिंह समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

झाँसी पेयजल पुनर्गठन योजना का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झाँसी, उत्तर प्रदेश। झाँसी जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने अमृत कार्यक्रम के अंतर्गत झाँसी पेयजल पुनर्गठन योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बबीना वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, क्लियर वाटर लाइन, बिजौली सीडब्ल्यूआर और ओवरहेड टैंक के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परखी और डिस्ट्रीब्यूशन लाइन की प्रगति की समीक्षा की।

अप्रैल 2025 तक योजना पूर्ण करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी कार्य अप्रैल 2025 तक हर हाल में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए, ताकि गर्मी के दौरान पेयजल संकट से बचा जा सके। उन्होंने निर्माण में आ रही सूक्ष्म कमियों को तत्काल दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया और कार्य की गति बढ़ाने पर जोर दिया।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी की टेस्टिंग प्रक्रिया की जानकारी ली और विशेषज्ञों से इसकी विधि पर चर्चा की। उन्होंने राइजिंग मेन लाइन और डिस्ट्रीब्यूशन लाइन का स्थलीय निरीक्षण कर कार्य की गहराई और गुणवत्ता की पुष्टि की। उन्होंने निर्देश दिया कि मानकों के अनुरूप ही कार्य किया जाए और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डिस्ट्रीब्यूशन लाइन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने डिस्ट्रीब्यूशन लाइन बिछाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि भीषण गर्मी में नगरवासियों को निर्बाध जल आपूर्ति मिल सके। उन्होंने बिजौली सीडब्ल्यूआर और ओवरहेड टैंक के निर्माण कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया और इन्हें शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों को कार्य में लापरवाही न बरतने की चेतावनी

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने टेस्टिंग पिट का निरीक्षण कर पाइपों की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि पाइपों के सैंपल की गुणवत्ता जांच पूरी हो चुकी है और वे मानकों के अनुरूप हैं। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वरुण कुमार पाण्डेय, अधिशासी अभियंता जल निगम मुकेश पाल, कार्यदायी संस्था के सदस्य एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीमद् देवी भागवत कथा: मां की शरण में आने से होता है कल्याण: डॉ. कौशलेंद्र महाराज

संवाददाता

सोनहरा, उत्तर प्रदेश। मां दक्षिणी प्रांगण, शिवा नगर, सोनहरा में चल रही श्रीमद् देवी भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास डॉ. कौशलेंद्र महाराज ने कहा कि देवी भगवती सम्पूर्ण जगत की मां हैं और जो भी उनकी शरण में आता है, उसका कल्याण निश्चित होता है।

पति-पत्नी को मिलकर चलाना चाहिए जीवन

डॉ. कौशलेंद्र महाराज ने प्रवचन में कहा कि पति-पत्नी जीवन के दो पहिए हैं, जिन्हें मिल-जुलकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने देवी के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करते हुए कहा कि जब-जब धरती पर अधर्म और पाप बढ़ते हैं, तब-तब मां भगवती विभिन्न रूपों में अवतार लेकर धर्म की रक्षा करती हैं।

माता-पिता की सेवा ही सच्ची भक्ति

उन्होंने बुजुर्ग माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ने की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे लोग अनेक जन्मों तक घोर कष्ट भोगते हैं। माता-पिता की सेवा ही सच्ची सेवा है, और जो भी सत्य के मार्ग पर चलता है, वही जीवन में उन्नति करता है।

भक्तों की उमड़ी भीड़

कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर अवध केसरी सेना के अध्यक्ष नीरज सिंह, नील सिंह, धनंजय सिंह, अरविंद मिश्रा, शैलेंद्र सिंह गुड्डू, रवि प्रकाश शुक्ला, जितेंद्र शुक्ला, विष्णु शुक्ला, विवेक पाण्डेय, अनिल अंजनी, देवी प्रसाद, भवानी प्रसाद सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

फरीदाबाद में वकील ने किया सुसाइड, कोर्ट परिसर की चौथी मंजिल से ही कूद गया; जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

फरीदाबाद। जिले के सेक्टर 12 कोर्ट परिसर की चौथी मंदिर से कूद कर एक वकील ने आत्महत्या कर ली। दरअसल, वकील ने कूदने से पहले अपने परिजनों को फोन कर बात की थी। फोन पर क्या बात हुई थी, इसके बारे में अभी खुलासा नहीं हो पाया है। लेकिन वकील की चौथी मंजिल से गिरने के चलते काफी गंभीर चोटें आई। जिसकी निजी अस्पताल में मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, मृतक वकील मच्छगर गांव का रहने वाला था जो कि पिछले कई वर्षों से सेक्टर 12 कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहा था, जिसकी पहचान लगभग 56 वर्षीय जेपी धनकड़ के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फरीदाबाद के बादशाह खान सिविल अस्पताल भेजा वहीं पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

इस मामले में जानकारी देते हुए मृतक वकील के साथी ने बताया की कई वकीलों ने उन्हें खुद कूदते हुए देखा था। अब यह नहीं कहा जा सकता की जेपी धड़कड ने किन कारणों की वजह से कोर्ट परिसर की चौथी मंजिल से कूद कर आत्महत्या की। आनन फानन में अन्य साथी वकीलों ने उन्हें पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराने के लिए ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

वहीं इस मामले में थाना सेंट्रल के इंचार्ज ने जानकारी देते हुए कहा कि जैसे ही उन्हें घटना की सूचना मिली तो वो तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल वकील जिसका नाम जेपी धनकड़ उम्र 55 साल है। उनको अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक वकील नेवी से रिटायर था और कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहा था। फिलहाल शव को सिविल अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखा गया है। आगे की जांच जारी है।

रिटायरमेंट के दिन ही लोको पायलट की मौत, आखिरी बार ट्रेन लेकर निकला था, हादसे में चली गई जान

संवाददाता

साहिबगंज । बीते एक अप्रैल को झारखंड के साहिबगंज जिला अंतर्गत बरहेट थाना क्षेत्र के भोगनाडीह NTPC फाटक के पास दो मालगाड़ियों में भीषण टक्कर हुई थी। टक्कर के बाद मालगाड़ी की ईंजन में लगी आग की चपेट में आकर रेलवे के दोनों लोको पायलट की दर्दनाक मौत हो गई थी। दोनों लोको पायलट की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रहने वाले गंगेश्वर मल और झारखंड के बोकारो जिला के सेक्टर-9 के रहने वाले अंबुज महतो के रूप में की गई थी।

इस दुर्घटना में एक दुखद सहयोग यह था कि अपने रिटायरमेंट से महज कुछ घंटे पहले अपनी अंतिम सेवा यात्रा पर मालगाड़ी लेकर निकले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जियागंज निवासी लोको पायलट ज्ञानेश्वर मल की दर्दनाक मौत हो गई।

बता दें कि एक अप्रैल को ही मृतक लोको पायलट गंगेश्वर मल रिटायर होने वाले थे। रिटायरमेंट के दिन वह ललमटिया से कोयला लोड कर पश्चिम बंगाल के फरक्का NTPC मालगाड़ी लेकर जा रहे थे। झारखंड के साहिबगंज जिला अंतर्गत बरहट के सोनाजोड़ी के पास लूप लाइन पर पहले से खड़ी एक मालगाड़ी से सीधी टक्कर हो गई।

दोनों मालगाड़ियों के इंजन में लगी आग

इस टक्कर में दोनों मालगाड़ियों का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर दोनों लोको पायलट की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। लोको पायलट गंगेश्वर मल का परिवार उनके रिटायरमेंट को लेकर प्लानिंग में जुटा था। कुछ सरप्राइज गिफ्ट देने की तैयारी कर रहा था, लेकिन इसी बीच एक खबर ने उनके ऊपर जैसे बिजली गिरा दी।

एक अप्रैल को था रिटायरमेंट

अपनी अंतिम सेवा यात्रा पर निकले गंगेश्वर मल और उनके परिवार के लिए उनके रिटायरमेंट की तिथि एक अप्रैल 2025 किसी मनहूस दिन से कम साबित नहीं हुई। अपने रिटायरमेंट से महज़ॉ कुछ घंटे पहले ही पश्चिम बंगाल के रहने वाले लोको पायलट गंगेश्वर मल की झारखंड के साहेबगंज में रेल हादसे में दर्दनाक मौत गई। फिलहाल हादसे के बाद से उनका परिवार सदमे में है।

शिक्षा से वंचित बेटी को मिला अभिभावक का साथ: डॉ. संदीप ने बढ़ाया मदद का हाथ

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। संघर्ष सेवा समिति जनपद और आसपास के नागरिकों के लिए आशा की किरण बनकर उभर रही है। असहायों और पीड़ितों की सहायता के उद्देश्य से कार्यरत इस संस्था ने एक और नेक कार्य कर मानवता की मिसाल पेश की है। जनपद के बड़ागांव गेट बाहर निवासी पूनम रायकवार अपनी बेटी तनु रायकवार के साथ संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पहुंचीं। पूनम के पति रामेश्वर प्रसाद टैक्सी चालक हैं, जबकि वह स्वयं एक प्राइवेट जॉब करती हैं।

पारिवारिक कलह के चलते तनु अपनी मां के साथ रहती है, और सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उसकी शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। समिति की सक्रिय सदस्य कुसुम साहू तनु और उसकी मां को संघर्ष सेवा समिति कार्यालय लेकर आईं। समिति के संस्थापक डॉ. संदीप ने अन्नपूर्णा कॉलोनी स्थित एसपीडीपी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य शरद गुप्ता से इस विषय में चर्चा की। शरद गुप्ता ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए तनु की स्कूल फीस में छूट देने का आश्वासन दिया। साथ ही, वंदना बुक डिपो के संचालक बबलू गुप्ता ने तनु की शिक्षा हेतु पूरा कोर्स निशुल्क प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. संदीप ने कहा, शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जो हमें निम्न स्तर से उच्च स्तर की ओर ले जा सकता है। आर्थिक बाधाओं के कारण कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह हमारा प्रयास है। तनु की सहायता के लिए शरद गुप्ता और बबलू गुप्ता का योगदान अत्यंत प्रशंसनीय रहा। संघर्ष सेवा समिति ने उनके इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर सतनाम सिंह (काके), छत्रपाल राजपूत, ओमकार सचान, संदीप नामदेव, कुसुम साहू, भावना अग्रवाल, महेंद्र रायकवार, अरुण पांचाल, आशीष विश्वकर्मा, राजू सेन, बसंत गुप्ता, सुशांत गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संघर्ष सेवा समिति द्वारा उठाया गया यह कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

बुलेट रानी ने की स्टंटबाजी, पुलिस ने भेज दिया 22 हजार का चालान

संवाददाता

फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में एक युवती को बुलेट पर स्टंट करना भारी पड़ गया। ट्रैफिक पुलिस ने 22 हजार का चालान काटा है। युवती का स्टंट करने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। युवती ने स्टंट करने के दौरान बनाए गए वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया था जिसके बाद उसका वीडियो तेज वायरल हुआ। वीडियो वायरल होने पर ट्रैफिक पुलिस हरकत में आई। युवती की पहचान कर कार्रवाई की है।

सोशल मीडिया पर मशहूर होने के लिए लोग तरह-तरह के स्टंट करते नजर आते हैं और अपनी वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम आईडी पर वायरल करते हैं। उन्हें ज्यादा से ज्यादा लाइक मिले और उनके फॉलोअर्स बढ़ें। ऐसा ही एक मामला फिरोजाबाद से सामने आया हैस जहां सोनी bulletrani_3271 के नाम से इंस्टाग्राम पर बनी आईडी पर युवती द्वारा बुलेट चलाने के दौरान हाथ छोड़कर स्टंट करने का वीडियो बनाया। वहीं जैसे ही वह वीडियो फिरोजाबाद जिले में वायरल हुआ तो इस पर तत्काल प्रभाव से पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बुलेट रानी का चालान कर दिया। उन्हें हिदायत दी कि आगे से वह इस तरह की हरकत ना करें वरना कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई ऐसा करता है को उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए ऐसे खतरनाक स्टंट करने से बचना चाहिए और यातायात नियमों का पालन करना जरूरी है।

पुलिस के मुताबिक, किसी को भी कानून से खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं है। यदि कोई ऐसा करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जानकारी दी की, एक युवती बुलेट पर सवार होकर इस तरह से ड्राइविंग कर रही थी। जिससे उसको क्षति पहुंच सकती थी। वहीं इससे दूसरे लोगों को भी खतरा हो सकता था। युवती की पहचान कर उसके खिलाफ ट्रैफिक नियमों का उलंघन करने के मामले में कार्रवाई की गई है। ट्रैफिक पुलिस ने 22 हजार का चालान काटा है।

पति-पत्नी और वो! प्रेम-प्रसंग में प्रेमी पर जानलेवा हमला, महिला के साथ घूमकर लौट रहा था

संवाददाता

सिहोरा । जबलपुर के सिहोरा रेलवे स्टेशन पर एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां पत्नी के प्रेम-प्रसंग के चलते पति ने अपनी पत्नी के भाई के साथ मिलकर अपनी पत्नी के प्रेमी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। महिला के पति और उसके भाई ने मिलकर युवक पर ताबड़तोड़ हमला किया और मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को अस्पताल पहुंचाया और आरोपियों की पहचान करते हुए उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि घायल युवक रंजीत कुशवाहा, जो कि पनागर का रहने वाला है, वह एक शादीशुदा महिला के साथ प्रेम संबंध में था। दोनों कई दिनों से एक-दूसरे के संपर्क में थे और हाल ही में दोनों जयपुर से घूमकर लौट रहे थे। जैसे ही युवक सिहोरा रेलवे स्टेशन के बाहर पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठे महिला के पति और उसके भाई ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमलावरों ने युवक पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किए, जिससे वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। वहां मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद घायल युवक को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

घटना को अंजाम देने वाले दोनों आरोपी बाइक पर सवार होकर आए थे। उनकी पहचान आशु मोगरे और रोहित कैथवास के रूप में हुई है। हमले के बाद वे मौके से फरार हो गए। इस घटना के बाद खितौला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं पूरे मामले में एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि, घटना प्रेम-प्रसंग से जुड़ी हुई है। आरोपी महिला के पति और उसके भाई हैं, जिन्होंने युवक पर हमला किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। यह मामला एक बार फिर दशार्ता है कि प्रेम-प्रसंग के कारण आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और आरोपी जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे।

2 तलाकशुदा जोड़े, दोनों का आपस में चलने लगा चक्कर, फिर दोनों को साथ में मारी गई गोली

संवाददाता

पूर्णिया । बिहार के पूर्णिया में एक महिला को पारिवारिक विवाद के चलते गोली मारी गई। महिला सरकारी शिक्षक है। दबंगों ने महिला शिक्षक को 2 गोली मारी। जिससे वो गंभीर रुप से घायल हो गई। महिला को घायल अवस्था में पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना कटिहार जिले के कदवा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, कदवा क्षेत्र के कचौरा पश्चिम में स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय की शिक्षिका सोनी भारती का अपने पति चितरंजन कुमार से विवाद चल रहा था। दोनों का कोर्ट में तलाक का केस भी पेंडिंग है। शिक्षका का आरोप है कि सबिता कुमारी नाम की महिला से अवैध संबंध होने के कारण दोनों के बीच विवाद है। महिला ने गोली मारने का आरोप सबिता देवी के भाई पर लगाया है।

वहीं जब मामले की तहकीकात की गई तो जो पीड़ित महिला को स्कूल पहुंचाने वाला उसका पुरूष मित्र की पत्नी ही सबिता देवी निकली। वहीं गोली मारने वाला उसका ही साला था। इस बात की पुष्टि करते हुए एक्स आर्मी बजरंग कुमार ने बताया कि वह महिला शिक्षक के साथ लिव इन रिलेशन में रहता हैं, उसके साले ने ही गोली मारी हैं।

दरअसल, एक्स आर्मी बजरंग कुमार की पत्नी की जान पहचान घायल शिक्षिका के पति से थी। दोनों के अफेयर होने के बाद शिक्षिका ने अपने पति पर केस कर दिया और दोनों अलग-अलग रहने लगे। उधर सबिता कुमारी और उसके एक्स आर्मी पति के बीच भी इसी को लेकर झगड़ा हो गया और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। इधर महिला शिक्षिका अकेली हो गई और उधर, एक्स आर्मी बजरंग कुमार भी अकेला हो गया। जिसके बाद दोनों एक दूसरे का दुःख बांटते-बांटते एक हो गए और लिव इन रिलेशन में 3 साल से रह रहे थे। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले को लेकर जांचकर रही है।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, Mob.8898271111 • संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साई बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051,